



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 253]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 11, 1999/कार्तिक 20, 1921

No. 253]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 11, 1999/KARTIKA 20, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1999

विषय : आस्ट्रिया, चैक गणराज्य, रूस, रूमानिया और युक्रेन से सीमलेस ट्यूबों के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक निष्कर्ष।

7/1/99 डी जी ए डी :—सीमा शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और उसके सीमा शुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

(क) क्रियाविधि

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित क्रियाविधि का अनुपालन किया गया है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा), को उपर्युक्त नियमों के तहत मैं० महाराष्ट्र सीमलेस लिमि., मै. कर्ल्याणी सीमलेस द्यूब्स लिमि., और मै. इंडियन सीमलेस मेटल द्यूब्स लिमि. की ओर से एसोसिएशन आफ सीमलेस द्यूब्स मैन्यूफॉर्मर्स की एक लिखित याचिका प्राप्त हुई थी जिसमें आस्ट्रिया, चैक गणराज्य, रूस, रूमानिया और युक्रेन मूल के या वहां से निर्यातित सीमलेस ट्यूबों के पाटन का आरोप लगाया गया था।
- (ii) आवेदन की प्रारंभिक जांच में कुछेक कमियों का पता चला था, जिनमें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में सुधार कर दिया गया था। तत्पश्चात् याचिका को समुचित रूप से प्रलेखीकृत समझा गया था।
- (iii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने संबंधित देशों के मूल के या वहां से निर्यातित सीमलेस ट्यूबों के आरोपित पारित आयातों के विस्तृद्ध जांच शुरू करने का निर्णय लिया।
- (iv) प्राधिकारी ने पाटन के आरोप के प्राप्त होने के बारे में नियमों के उपनियम 5(1) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्रवाई से पूर्व संबंधित देशों के दूतावासों को सूचित किया।
- (v) प्राधिकारी ने सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 73 के शीर्ष सं० 73.04, 7304.10 और 7304.29 के अंतर्गत वर्गीकृत आस्ट्रिया, चैक गणराज्य, रूस, रूमानिया और युक्रेन मूल के या वहां से निर्यातित सीमलेस ट्यूबों के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए दिनांक 21 मई, 1999 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जो भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित हुई थी।

- (vi) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) तथा उद्योग संघों को प्रेषित की तथा पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।
- (vii) प्राधिकारी ने सीमलेस ट्यूबों के ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने के लिए कहा।
- (viii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से सीमलेस ट्यूबों के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया।
- (ix) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार संबंधित देशों के दूतावासों तथा ज्ञात निर्यातकों को याचिका की प्रतियां उपलब्ध करवायी।
- (x) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावली भेजी :

आस्ट्रिया

- * बोएस्ट अल्पाइन स्टेनिरोर
किंग्सबर्ग, जी ई एस बी एम, अल्पाइन
स्ट्रासे-17, ए 8652, किंग्सबर्ग

चेक गणराज्य

- * नावा हर ओस्ट्रावा
70702, ओस्ट्रावा, फ़ैसिसे

रूस

- * बोल्सकी पाइप प्लांट,
404119, बोल्सकी टॉउन,
बोल्सोग्राद

रूमानिया

- * सिलकोटब एस ए,
बी-डल मिहाइ वितेजू एन आर 93
4700 जलाज
- * पेट्रोटब एस ए रोमन,
5550 रोमन, सोसिंउथा रोमन-लासि के एम
333, जड नेमट

यूक्रेन

- * मेटल जावोद इमेनी कार्ल
लिथेन्स्ट
- * यूजनोट्रबनी जावेद
निकोपोल

मित्सुइ एंड कं., लिमि. टी के आई पी ई डिव., 2-1 ओटोमाचि। कोम, सियोदाकू सी पी ओ बॉक्स 822 टोकियो, ने दिनांक 11 जून, 1999 के अपने पत्र द्वारा, प्राधिकारी को सूचित किया था कि ओ एन जी सी/ओ आई एल इंडिया लिमि. और भारत में तेल निष्कर्षण के कारोबार में संगत दूसरे सरकारी निगमों को संबद्ध वस्तु के आपूर्तिकर्ता के रूप में वह इस जांच में एक हितबद्ध पार्टी है।

उत्तर निम्नलिखित से प्राप्त हुए थे :—

रूस

- * बोल्सकी पाइप प्लांट

रूमानिया

- * सिलकोट ब एस ए

* पेट्रोटेक्स एस ए रोमन

* भारत में रूसी परिसंघ के व्यापार प्रतिनिधिमंडल का प्राधिकारी को लिखा गया दिनांक 17.8.99 का एक पत्र प्राप्त हुआ था जिसमें कहा गया था कि द्यूबों के प्रमुख रूसी उत्पादक नामतः ऐक्सर्सकी द्यूब वर्क्स, बोल्स्की द्यूब वर्क्स, चेलायचिन्स्की द्यूब वर्क्स और पेरवोराल्स्की द्यूब वर्क्स हितबद्ध पार्टीयां हैं। उन्हें सूचित किया गया था कि प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए बढ़ाई गई तारीख समाप्त हो गई है। जांच शुरू होने के बाद, व्यापार प्रतिनिधिमंडल से अनुरोध किया गया था कि वह याचिका में नामजद उत्पादकों के साथ-साथ संबद्ध वस्तु के विनिर्माण और भारत को उसका नियांत करने के कार्य में लगे रूस के अन्य विनिर्माताओं से प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए कहें। प्राधिकारी द्वारा बढ़ाई गई समय सीमा के भीतर केवल मैं० बोल्स्की पाइप प्लांट ने प्रश्नावली का उत्तर दिया था।

(xi) नियम 6(2) के अनुसार संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचना दी गई थी कि वे अपने-अपने देशों के नियांतकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर भेजने के लिए कहें। पत्र, याचिका और नियांतकों को भेजी गई प्रश्नावली की प्रतियां भी नियांतकों के नाम और पता सहित उनके पास भेजी गई थी।

(xii) नियम 6(4) के अनुसार सीमलेस द्यूबों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को आवश्यक सूचना भांगने हेतु एक प्रश्नावली भेजी गई थी :

- * तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमि.
तेल भवन, देहरादून-248003
- * ऑयल इंडिया लिमि. पो. आ. दूलियाजन
जिला-डिल्लूगढ़, असम
- * भारतीय गैस प्राधिकरण लिमि.,
16, भिकाजीकामा प्लैस
आर के पुरम, नई दिल्ली-110006
- * भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमि.
- (क) सीमलेस स्टील द्यूब प्लांट
तिरुचिरापल्ली-620014
- (ख) रामचन्द्रपुरम
- (ग) ज्ञांसी-284129
- (घ) विशाखापत्नम
- * रिलायन्स पेट्रोलियम लिमि.,
- (क) मोतीखावडी, जाम नगर
- (ख) बेल्लाई एस्टेट, मुंबई-400001
- * नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन
विध्याचल सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट
जिला-सीधी मध्य प्रदेश
- * नेशनल आर्गेनिक केमिकल इंडस्ट्रीज
मफतलाल सेन्टर, नरीमन प्लाईट, मुंबई
- * एस्सार स्टील सूरत-394270
- * एस्सार आ॒यल लिमि. मुंबई-400020
- * हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमि.
- (क) विशाखापत्नम
- (ख) रिफाइनरी डिवीजन महल, मुंबई, 400074
- * गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमि. जिला बड़ोदरा
- * भारतीय तेल निगम लिमि.
- (क) पो ऑ. नूनमती गुवाहाटी 781020
- (ख) गुजरात रिफायनरी, बड़ोदरा
- (ग) बरैनी रिफायनरी बेगूसराय

(ए) पानीपत रिफायनरी प्रोजेक्ट

(ङ) रिफायनरी एवं पाइपलाइन प्रभाग, नई दिल्ली

(च) हल्दिया रिफायनरी, मिदनापुर

(छ) डिग्बोई रिफायनरी, डिग्बोई

(ज) मथुरा रिफायनरी

* एबीबी एबीएल लिमि.

दुर्गापुर प. बंगाल

* एशिया ब्राउन बोकरी लिमि.,
कालका जी, नई दिल्ली

* थरमैक्स लिमि., बिन्धवाड़, पुणे

* थरमैक्स बैबकॉक एंड विलकॉक्स लिमि.
केसरवाड़ी पुणे

* क्रूप इंडस्ट्रीज (इं) लिमि.
पिम्परी, पुणे।

* भारतीय पेट्रोरसायन निगम

(क) बड़ौदा स्थित परियोजना, बड़ौदा

(ख) गांधार पेट्रोरसायन परिसर, भरुच।

* इंडियन फारमस फर्टिलाइजर्स कॉ-आप

(क) डी ए पी एन पी के परियोजना, जिला कच्छ।

(ख) कलोल एकक, जिला गांधीनगर

* एनरॉन ऑयल नेचुरल गैस इंडिया लिमि., मुंबई।

* जे के थर्मल पावर
जिला चित्तौड़गढ़

* भारत हैवी प्लेट्स एवं वेसेल्स लिमि.
विशाखापत्तनम

* लारसन एंड ट्रांस लिमि.
जी टी एक बी डिवीजन, मुंबई

* फैक्ट इंजीनियरिंग एवं डिजायन ऑर्गेनाइजेशन
कोचीन

* ए.टी.वी. प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमि., मथुरा

* ओकारो स्टील प्लांट बिहार

* भारत अर्थ मूद्रास लिमि., औ ई एम एल भगर, पी ओ के जी एफ 563-115

* सेदर वेसेल्स लिमि. तिरुचिरापल्ली

* कोचीन रिफाइनरीज लिमि., एर्नाकुलम जिला, केरल

* डीजल सोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी

* एस्कार्ट्स लिमि., फरीदाबाद

* हिन्दुस्तान आर्मेनिक फैमिकल्स जिला-रायगढ़

* हिन्दुस्तानको इंडस्ट्रीज लिमि., जिला पी ओ रेणुसागर, सोनभद्र

* दि इंडिया सुगर एंड जनरल इंजीनियरिंग कं. यमुनानगर

* इंटीग्रल कोव फैक्टरी, चेन्नई

* केरल ऑटोमोबाइल लिमि. तिरुवनन्तपुरम

* लक्ष्मी मशीन वर्क्स, कोयम्बटूर

* मद्रास रिफायनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमि. मंगलोर

उत्तर निम्नलिखित से प्राप्त हुए थे :

* तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमि.

* ऑयल इंडिया लिमि.

* दि इंडिया सुगर एंड जनरल इंजीनियरिंग कं.

मै. इंडस पाइपलाइन कंपनी, 433 व्यापार भवन, 49 पी डी मेलो रोड, मुंबई-400009 ने कुछ अधिकत व्यक्त किए थे किन्तु प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया था।

(xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्षणों के अगोपनीय अंश एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराए और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा।

(xiv) सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए पी पी) और याचिकाकर्ता द्वारा भेजी गई सूचना के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु के निर्माण और बिक्री की लागत निकालने के लिए लागत जांच की गई।

(xv) इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है और प्राधिकारी ने नियमों के अधीन उसे गोपनीय ही समझा है।

(xvi) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं के परिसरों की मौके पर जांच भी की।

(xvii) यह जांच 1 अप्रैल, 1997 से 30 सितम्बर, 1998 (18 महीनों) की अवधि के लिए की गई थी।

(ख) याचिकाकर्ताओं के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका और बाद के अपने अभ्यासेदनों में निम्नलिखित प्रमुख मुद्दों को उठाया है :

(क) सीमलेस ट्यूब/पाइप लौह और इस्पात की होलो प्रोफाइल हैं। इनका उपयोग वहाँ होता है जहाँ जंग प्रतिरोध क्षमता सूक्ष्म संरचना और उत्पादक की अवधि नाजुक होती है। लाइन पाइपों का उपयोग हाइड्रोकार्बन और प्रसंस्करण उद्योग में होता है। बॉयलर पाइपों का उपयोग बॉयलरों हीट एक्सचेंजरों, सुपर हीटरों और कंडेन्सरों तथा यांत्रिकों संरचनात्मक एवं सामान्य इंजीनियरिंग उद्योग में होता है। काजिंग/ट्यूबिंग का उपयोग समुद्र और जमीन से कच्चे तेल एवं गैस के निष्कर्षण में किया जाता है।

(ख) संबद्ध वस्तुओं के तकनीकी विनिर्देशन और गुणवत्ता उनके अंतिम उपयोग पर निर्भर होती है और निम्नलिखित के संदर्भ में परिभाषित किए जाते हैं :

- * पाइप/ट्यूब का ओ डी (बाह्य व्यास) या पी पी एफ (पाउड प्रति फीट अर्थात् प्रति यूनिट लम्बाई का वजन);
- * पाइप/ट्यूब की डब्ल्यू टी या परत की मोर्टाई अथवा पी पी एफ (पाउड प्रति फीट अर्थात् प्रति यूनिट लम्बाई का वजन);
- * पाइप/ट्यूब की लम्बाई;
- * कच्ची सामग्री का विनिर्देशन, अर्थात् मिश्रित इस्पात, कार्बन इस्पात, स्टेनलैस स्टील के अंतर्गत विनिर्दिष्ट ग्रेड;
- * ट्यूबों का उत्पादन करते समय अपनायी जाने वाली प्रक्रिया, अर्थात् एच एफ (होट फिनिश), सी डी (कोल्ड इन) या सी आर (कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड पिलार्ड);
- * अंतिम उपयोग जिसके लिए वस्तु निर्दिष्ट होती है।

(ग) एपीआई 5 एल सहित विभिन्न विनिर्देशनों/ग्रेडों में लाइन/बायलर पाइपों का विनिर्माण के एस टी एल और आई एस एन टी द्वारा किया जाता है। के एस टी एल द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का आकार (होट फीनिश) $1\frac{1}{4}''$ — $10''$ एन बी/एनपीएस के बीच है। आई एस एम टी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का आकार (होट फीनिश) $2''$ — $6''$ एन बी/एन पी एस के बीच होता है। के एस टी एल देश में $95/8''$ बाह्य व्यास की ट्यूबों का एक मात्र विनिर्माता है। एच 40, जे-55, के-55 और एन-80 ग्रेडों में एपीआई 5-सीटी विनिर्देशनों के तहत के एटीएल द्वारा का जिंग पाइप/ट्यूबिंग का विनिर्माण किया जाता है। एल 80, सी 95, टी 95 पी 110 और क्यू 125 ग्रेडों का विनिर्माण सब कंट्रोलिंग होट ट्रीटमेंट आपरेशन द्वारा किया जा सकता है। विनिर्माता आकार $23/8''$ — $95/8''$ के बीच होते हैं।

(घ) संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए उपयोग में लाई जाने वाली कच्ची सामग्री विभिन्न ग्रेडों के विलैट्स/राउंड होते हैं। कच्ची सामग्री के संघटकों एवं विनिर्देशनों का व्यय विनिर्मित होने वाले उत्पाद के विनिर्देशन के आधार पर किया जाता है।

(ङ) होट फीनिशड ट्यूब के विनिर्माण की प्रक्रिया निम्नानुसार है :—

बिलैट/राउंड के स्वरूप में स्टील संयंत्र से फीड स्टाक को पहले से निर्धारित लम्बाई में काटा जाता है और स्टील के ग्रेड के अनुसार इसे भट्टी में 1150 डिग्री सेंटीग्रेड से 1250 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच के तापमान पर गरम किया जाता है। डी-स्केलिंग के पश्चात् होट बिलैट को पिअर्सिंग मिल/एस्ट्रजन ट्रैस की सहायता से उसका पूरी लम्बाई में भेदन किया जाता है ताकि यह एक अनिश्चित शैल/होलो का आकार ले ले। इसे बाद में यदाया जाता है और फिनिशिंग मिल के जरिए प्रसंस्करण द्वारा आकर निर्यातित किया जाता है। होट पाइपों को कूलिंग बैड में रख दिया जाता है और इसका सुदृढ़ीकरण किया जाता है और आगे प्रसंस्करण, निरीक्षण, ऑयलिंग, पैकिंग और लादन के लिए बांछित लम्बाई में काटा जाता है।

(च) संबद्ध वस्तु का तीन समूहों में श्रेणीकरण अंतिम फिनिशिंग कार्यकलापों में होने वाले परिवर्तन (हॉट फीनिशड हॉलोज से आगे) पर आधारित होता है जो निम्नानुसार हैं :—

- काजिंग और प्रोडक्शन ट्यूबिंग — इन्हें बाद में थ्रेडेड और कपल्ड किया जाता है।
- लाइन पाइप- इनकी सामान्यतः सपाट सिरों या प्रवणित सिरों के रूप में आपूर्ति की जाती है लेकिन कभी-कभी ग्राहक के विशेष अनुरोध पर इनकी आपूर्ति थ्रेडिड और कपल्ड स्थिति में भी की जाती है।

(छ) अपेक्षित थ्रैफिंग का स्वरूप ग्राहक की अपेक्षाओं पर निर्भर होती है। घेरेलू उद्योग के पास सभी प्रकार की अपेक्षित थ्रैफिंग करने की क्षमता है, लोकप्रिय धारे बी टी सी, एस टी सी, एल टी सी हैं। समूची विनिर्माण प्रक्रिया में थ्रैफिंग एक बहुत ही छोटी सी गतिविधि है और उत्पादन की कुल लागत में इसका अनुपात नगण्य होता है। कोई उत्पादक थ्रैफिंग का कार्य हमेशा ही अन्य उत्पादकों और स्वतंत्र तंतुकारों द्वारा करवाता है और ग्राहकों को बांछित वस्तु की आपूर्ति करता है भले ही उसके पास थ्रैफिंग को अपेक्षित सुविधाएं न हों। एक्स एल थ्रैफिंग के पाइपों की अब भारत में खपत नहीं हो रही है।

(ज) मूलभूत विनिर्माण प्रक्रिया (अर्थात् हाट फिनिशड हॉलोज) वही रहती है और भाषी प्रसंस्करण तथा श्रेणीकरण के बल विशिष्ट अल्पतं उपयोग के अनुसार किया जाता है। लाइन/बायलर पाइप और केसिंग/ब्यूबिंग के बीच भिन्नता के बल कच्ची सामग्री के ग्रेड और एंड फिनिशिंग के रूप में ही होती है और वस्तुत लाइन/बायलर पाइप तथा केसिंग/ब्यूबिंग सीमलैस ट्यूब/पाइप होते हैं।

(झ) सीमलैस ट्यूब/पाइपों के विनिर्माण में प्रक्रिया संबंधी मापदंडों तथा प्रयोग की गई कच्ची सामग्री के संबंध में आवश्यक नियंत्रण शामिल होता है। समूचे विशेष के उत्पादक एपी आई, एएसएमई, एएसटीएम, डीआईएन, बी एस, जेआईएस तथा आईएस जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करते हैं।

(ज) सीमलैस ट्यूबों के आकारों, ग्रेडों और पीपीएफ के आधार पर संबंदी विश्लेषण किया गया है। इन्हे ओएनजीसी/ओआईएल की विशिष्ट नियिदाओं पर नियिदत वास्तविक कीमतों को लेकर किया गया है। किसी अन्य मापदण्ड के प्रभाव को समाप्त करने के प्रयोजनार्थ समान नियिदा के लिए समान आपूर्तिकर्ता की तुलना की गयी है।

(1) आकारावार विश्लेषण—समान ग्रेड और धारों की कीमतों की तुलना समान नियिदा पर समान आपूर्तिकर्ता द्वारा दो भिन्न-भिन्न आकारों के माथ की गयी थी। इससे यह पता चला कि कभी-कभी बड़े आकारों की कीमतें अधिक थीं और कभी-कभी ये कीमतें कम थीं। कई बार उक्त कीमतें कमोंबेश वही थीं जिससे यह अर्थ निकलता है कि कीमतें और आकारों के बीच कोई प्रत्यक्ष सहसंबंध नहीं है। उदाहरणार्थ, 97-98 में बोस्ट अलपाइन द्वारा 5 1/2" आकार के एन 80 ग्रेड, 20 पीपीएफ की आपूर्ति ××× (U) अमरीकी डालर की दर से ओ आई एल को की गयी थी जबकि बीटीसी 9 5/8" 40 पीपीएफ की आपूर्ति ××× अमरीकी डालर/मी. टन की दर से की गयी थी। नोवा हट द्वारा (98-99) 5 1/2" के जे 55, 17 पीपीएफ की आपूर्ति ××× (U) अमरीकी डालर की दर से ओएनजीसी को की गयी थी जबकि बीटीसी 9 5/8" 40 पीपीएफ की आपूर्ति ××× अमरीकी डालर/मी. टन की दर से की गयी थी।

(II) ग्रेडावार विश्लेषण—समान आकार और धारों की तुलना समान नियिदा पर समान आपूर्तिकर्ता द्वारा नियिदत दो भिन्न-भिन्न ग्रेडों के माथ की गयी थी। इससे यह पता चला कि कभी-कभी एन 80 के लिए नियिदत कीमतें जे 55 की तुलना में अधिक थी और कभी-कभी ये कीमतें कम थीं। इनके उदाहरणों में नोवाहट द्वारा 97-98 में जे 55 ग्रेड के 9 5/8" 40 पीपीएफ की आकार ××× अमरीकी डालर/मी. टन (U) की दर में ओएन जी सी की आपूर्ति और बीटीसीएन 80 ग्रेड, 43.5 पी पी एफ की ××× अमरीकी डालर/मी. टन की दर से आपूर्ति शामिल है। एक अन्य उदाहरण है:— बोस्ट अलपाइन द्वारा 97-98 में 5 1/2" आकार, जे 55ग्रेड 17 पीपीएफ की ××× अमरीकी डालर/मी. टन(U) की दर से ओएनजीसी की आपूर्ति जबकि पीपीएफ 20 के बीटीसी एन 80 ग्रेड की आपूर्ति ××× अमरीकी डालर/मी. टन की दर से की गयी है।

(III) पीपीएफ बार विश्लेषण:— अधिकांश मामलों में यह पाया गया था कि समान आकार और ग्रेड के लिए समान आपूर्तिकर्ता द्वारा समान नियिदा पर नियिदत कीमतें कमोंबेश समान थीं भले ही पी पी एफ कुछ भी हो। उदाहरण, नोवाहट द्वारा 97-98 में 9 5/2" आकार, के पीपीएफ 43.5 के एन 80 ग्रेड की आपूर्ति ××× अमरीकी डालर/मी. टन (U) की दर से की गयी थी। मितुसई द्वारा ओएनजीसी (97-98) को 43.5 पी पी एफ के 5/8" एन 80 ग्रेड की आपूर्ति ××× अमरीकी डालर/मी. टन (U) की दर से की गयी थी।

यदि कीमतों की तुलना प्रति मीटर के आधार पर की जाएगी तो ये आकार (व्यास और डब्ल्यू टी एवम् पीपीएफ) के अनुसार भिन्न-भिन्न होंगी किन्तु जब इन्हें अमरीकी डालर/मी. टन के आधार पर परिवर्तन कर दिया जाता है तो कोई खास अंतर नहीं आता है जैसाकि ऊपर स्पष्ट किया गया है।

(ट) संबंध देशों में नियातक ओएन जी सी और ओआई एल तथा अन्य अत्यंत उपभोक्ताओं द्वारा जारी की गयी नियिदाओं के जरिए बड़ी मात्रा में पाटन कर रहे हैं। इन देशों के नियातक अब डीलर/वितरक आजार में भी समान रूप से उत्साही हो गए हैं।

(ग) आयातकों, नियातकों एवम् अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. आयातकों के विचार

1. दि इंडियन सुगर एंड जनरल इंजि. कारपो.

1. याचिकाकर्ता ने दो भिन्न-भिन्न उत्पादों अर्थात् (क) केसिंग और द्यूबिंग जिनका इस्तेमाल समुद्र एवम् जमीन से तेल एवम् गैस के निष्कर्षण में किया जाता है (जिन्हें इसके बाद "डिलिंग" पाइप/द्यूब कहा जाएगा); और (ख) बायलरों, हीट एक्सचेंजरों इत्यादि के विनिर्माण में प्रयोग होने वाले सीमैटैस द्यूब (जिसे इसके बाद "गैर-डिलिंग" पाइप/द्यूब कहा जाएगा) को शामिल किया है।

2. याचिकाकर्ता ने इस बात को स्पष्ट करने के लिए काफी परिश्रम किया है कि तकनीकी विनिर्देशन उस अंतिम उपयोग पर निर्भर होते हैं जिसके संबंध में संबद्ध वस्तु का इस्तेमाल किया जाता है। "डिलिंग" पाइपों/द्यूबों का अंतिम उपयोग "गैर-डिलिंग" पाइपों/द्यूबों के अंतिम उपयोग से काफी भिन्न होता है। समुद्र/जमीन से तेल/गैस की डिलिंग में इस्तेमाल किए जाने वाले पाइपों/द्यूबों को बायलरों/हीट एक्सचेंजरों इत्यादि के विनिर्माण अथवा इसके वित्तोमतः प्रयोग में नहीं लाया जा सकता। चूंकि, अंतिम उपयोग भिन्न है इसलिए तकनीकी विनिर्देशन भी भिन्न-भिन्न हैं। इसलिए, ये दोनों उत्पाद भिन्न-भिन्न उत्पाद हैं और इन्हें समान उत्पादों के रूप में एक साथ नहीं लिया जा सकता है।

मैसर्स तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लि. (ओएनजीसीएल)

(क) समान वस्तु

1. जांच शुरू करने संबंधी सूचना में सभी ग्रेडों के 10" तक के बाह्य व्यास के सभी पाइपों और विभिन्न अंतिम उपयोगों जैसे बायलर, लाइन से केसिंग और द्यूबिंग को एक ही समान वस्तु के रूप में मिलाया गया प्रतीत होता है। ऐसे अनेक भिन्न-भिन्न उत्पाद शामिल हैं जिनके बीच स्पष्ट अंतर हैं।

(I) तेल के कुओं के डिलिंग के लिए तेल के पूर्वेक्षण में लगी कंपनियों डिल पाइपों का उपयोग करती हैं। ऐसे डिल पाइपों का उपयोग अन्य रूप से डिलिंग प्रयोजन के लिए किया जाता है और इनका उपयोग क्रेसिंग पाइपों अथवा प्रोडक्शन द्यूबिंग के स्थान पर नहीं किया जा सकता है।

(II) जैसे ही तेल के कुओं की डिलिंग में प्रगति होती जाती है जैसे ही कुएं में कीचड़ इत्यादि का गिरना बंद करना आवश्यक हो जाता है। इस प्रकार के गिराव को रोकने के लिए केसिंग पाइपों का उपयोग किया जाता है। केसिंग द्यूब जो जमीन से कुएं की गहराई तक जाती है उसे कुएं की सतह पर अथवा उसके निकट प्रयुक्त केसिंग द्यूब से भिन्न विनिर्देशन बाला होना चाहिए। आईएस 1956 के तहत केसिंग द्यूब को ऐसी द्यूब के रूप में परिभासित किया गया है जो लाइनिंग आर छिपों के लिए प्रयोग की जाती है ताकि आस-पास की परत के धंमाव और अवांछित जल के प्रवेश को रोका जा सके।

(III) एक बार कुएं के घालू होने के बाद कुएं से निकालने वाले तेल और प्राकृतिक गैस को बाहर निकालना आवश्यक हो जाता है। आई एस 1956 के अनुसार प्रोडक्शन अथवा तेल कुएं द्यूबें ऐसी द्यूबें हैं जिनका प्रयोग कुएं के तल से तेल को निकालकर डिलीवरी लाइन तक ले जाने में किया जाता है। इस प्रोडक्शन द्यूब का केसिंग द्यूब से भिन्न विनिर्देशन को पूरा करना होता है। केसिंग और प्रोडक्शन द्यूबों का प्रयोग उप कंपनियों द्वारा किया जाता है जो तेल अथवा प्राकृतिक गैस के पूर्वेक्षण में लगी होती हैं।

(IV) किसी कुएं द्वारा उत्पादित तेल अथवा प्राकृतिक गैस को एक पाइपलाइन से भेजा जाता है। चूंकि लाइन पाइप भूमि के अन्दर बिछाए जाते हैं और ये कुएं के भीतर प्रयोग के लिए नहीं होते हैं, इसलिए इनके केसिंग द्यूब अथवा प्रोडक्शन द्यूब की अपेक्षा और कम कठोर विनिर्देशन होते हैं। आई एस 1956 के अनुसार कुएं में प्रयोग होने वाले पाइपों को छोड़कर, लाइनेंट पाइपों का प्रयोग तेल अथवा प्रकृतिक गैस को ले जाने के लिए किया जाता है। लाइन पाइपों का प्रयोग आई ओ सी, एच पी सी एल, बीपीसीएल इत्यादि जैसी तेल शोधन एवं विषयन कंपनियों द्वारा किया जाता है जिनके पास विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों को भेजने के लिए अपनी पाइप लाइनें हैं।

2. इस प्रकार उत्पादों की तीन श्रेणियों हैं, अर्थात्, केसिंग, द्यूबिंग और लाइन पाइप। इसके अलावा, प्रत्येक श्रेणी के भीतर द्यूबों के आकार और ग्रेड के आधार पर स्वतंत्र समान वस्तुएं हैं। उदाहरण के लिए ओएनजीसीएल द्वारा निम्नलिखित चार आकारों में केसिंग पाइपों की खरीद की जाती है:—

(I) 7" ओ डी

(II) 9 5/8" ओ डी

(III) 5 " ओ डी

(IV) 5 ½ " ओ डी

उपरोक्त प्रत्येक आकार के लिए पाइप का ग्रेड जे-55, एन-80, एल-80, पी-110, सी-95 अथवा ब्यू. 125 छो सकता है। इन पाइपों की खरीद एपीआई विनिर्देशन के अनुसार केवल उन विनिर्माताओं से की जाती है जो एपीआई प्रमाण-पत्र धारक होते हैं। व्यास के आकार के अतिरिक्त, भार: (द्यूबों की परत की मोराई के आधार पर) में भी भिन्नता होती है और अधिक भार पाइपों की अधिक कीमत होती है। इसके अलावा, पाइप का धागा या तो बी टी सी (बटरेस्ट धागा) अथवा एक्स एल (बहुत बड़ा) छो सकता है।

3. द्यूबों की कीमत, आकार, वजन और ग्रेड पर भी निर्भर करती है; उदाहरणार्थ, एक विशेष ग्रेड (अर्थात् जे-55) 9-5/8" के पाइप का कीमत निर्धारण इसी ग्रेड के 7" के पाइप से अधिक किया जाता है। इसके अलावा, 9-5/8" के पाइप की कीमत भी भिन्न होती है यदि ग्रेड जे-55, पी-110 अथवा 43.5 पीपीएफ अथवा 47 पीपीएफ हो।

4. विभिन्न ग्रेडों के पाइपों का प्रयोग भी अलग-अलग प्रकार का होता है और इनका एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। जे-55 ग्रेड के केसिंग पाइप का प्रयोग उस स्थान पर नहीं किया जा सकता है जहां पर पी-110 ग्रेड के पाइप की जरूरत हो। इस प्रकार व्यास, भार ग्रेड और पाइप के प्रकार केसिंग, स्लाइन, प्रोडक्शन से एक ऐसा अद्भुत संयोजन बनाता है जो एक "ममान वस्तु" के रूप में होता है।

5. इसलिए स्लाइन पाइप, केसिंग पाइप और प्रोडक्शन द्यूब तीन स्वतंत्र उत्पाद हैं और पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजन से अथवा घोरलू उद्योग को हुई व्यासतात्त्विक क्षति का निर्धारण करने के लिए इन्हें एक साथ-साथ नहीं लिया जा सकता है और इन्हें एक उत्पाद के रूप में नहीं माना जा सकता।

6. जांच के क्षेत्र विस्तार के भीतर "ड्रिल पाइप" होने का कोई उल्लेख नहीं है। ऐसा इसलिए भी मही है क्योंकि भारत में ड्रिल पाइपों का कोई स्वदेशी विनिर्माताओं नहीं है। न तो तीनों याचिकाकर्ता कंपनियों में से किसी एक के पास और न ही याचिका के समर्थक के पास ड्रिल पाइपों के विनिर्माण की क्षमता है। इसके अलावा, ड्रिल पाइप अलग वस्तुओं हैं जो सीमा शुल्क टेरिफ के 7304.21 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं और इस शीर्ष उल्लंख जांच शुरुआत करने में नहीं किया गया है। मैसर्स आगल कन्सी द्यूबुलर्स लिं. (ओ सो टी एल), हैदराबाद एकमात्र भारतीय प्रसंस्कर्ता है जो अपनी प्रधान कंपनियों मैसर्स ग्रान्ट प्राइडेको, यूएसए के जरिए अर्जेंटीना और इटली में अप्रसंस्कृत ड्रिल पाइपों का आयात करता है। वे आयातित अप्रसंस्कृत द्यूबों पर प्रसंस्करण कार्य करने के पश्चात् ड्रिल पाइपों की आपूर्ति करते हैं।

7. एक्स एल धागे के केसिंग पाइप उपरोक्त किसी भारतीय उत्पादक की विनिर्माण क्षमता के भीतर नहीं आते हैं और इसलिए इन्हें जांच के द्वायरे से अलग कर देना चाहिए।

(ख) घोरलू उद्योग

1. ओ एन जी सी एल ने एक स्वदेशी विकास कार्यक्रम लागू किया है जिनके अंतर्गत भारतीय विनिर्माताओं को किसी विशेष विनिर्देशन वाली मर्दों का उत्पादन करने की उनकी आपूर्ति करने की क्षमता को आंकने के लिए विकास आर्डर (किसी निविदा में भाग लिए गिना भी) दिए जाते हैं। एक बार विकास आर्डरों का सफल निष्पादन हो जाने पर इन फर्मों को नियमित वार्षिक टेंडरों पर आपूर्ति करने के लिए निःशुल्क पैनल में रख लिया जाता है। पैनल बनाने की प्रक्रिया विनिर्माताओं तंतुकारों की अधिकृत आपूर्ति घरानों के लिए वर्ष भर खुली रहती है।

2. इंडियन सीमलैस मैटल द्यूब्स लिं. केसिंग द्यूब की आपूर्ति करने के लिए पैनल में शामिल नहीं है। आई एम एम टी ने लिंगत में कभी भी केसिंग पाइपों की न तो आपूर्ति की थी और न ही किसी निविदा में भाग लिया था। उनके पास उक्त पाइपों का उत्पादन करने और उनकी अपूर्ति करने की कोई क्षमता नहीं है।

3. एमएसएल के पास किसी ग्रेड के 9-5/8" केसिंग पाइपों का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है। वास्तव में 9-5/8" के पाइप के लिए, म्यांग एमएसएल ने आयातित पाइपों को निविदत्त किया था।

4. कल्याणी सीमलैस द्यूब्स लिं. (के एम टी एल) केसिंग द्यूबों का एक मात्र ऐसा घोरलू उत्पादक है जो याचिका का समर्थन वार मरकता है। के एम टी एम के पास एक्स एल ग्रेड के केसिंग पाइपों का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है। इसके अलावा, उनके पास केवल दो गंडों अर्थात् जे-55 और एन-80 का उत्पादन करने की क्षमता है और इस प्रकार, सभी अन्य ग्रेड (अर्थात् एल-80, पी-110, सी-98 और ब्यू-115 उन्हें व्यासतात्त्विक क्षति नहीं पहुंचा सकते हैं।)

5. भारतीय विनिर्माताओं की ओएनजीसी द्वारा सहायता की गयी है और अपने विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत विकास आर्डर के जरिए इसने विक्रमित किया है। सीमा शुल्क में वार्षिक शुद्धि के बावजूद (ओएनजीसी की लागत पर है) भारतीय विनिर्माताओं को उन मर्दों के लिए काफी आर्डर मिल रहे हैं जिनका वे निर्माण करते हैं। भारतीय कंपनियों जांच अवधि तक ग्रेड पी और एल का विनिर्माण नहीं कर रही थीं।

6. सीमा शुल्क को 37.5% से बढ़ाकर 670.064% (मूल्यांकन के लिए) कर दिया गया है। भारतीय उद्योग को एम उच्च सीमा शुल्क (ओएनजीसी के लिए इस प्रकार से बढ़ रही लागत) के अतिरिक्त पाटनरोधी शुल्क या मांग करने की अपेक्षा अपनी प्रतिग्राह्यतमकता मृदृढ़ करनी चाहिए और निर्यात व्याजार में प्रतिस्पर्धी बनना चाहिए।

III. आयल इंडिया लिं.

मैसर्स रेमी मैटल ने एक आपूर्तिकर्ता घराने के रूप में न कि एक विनिर्माता के रूप में ओआईएल को कुछ टेबुलर्स की आपूर्ति की थी। मैसर्स टिस्को स्वदेशी विनिर्माताओं जैसे मैसर्स महाराष्ट्र सीमलैस लिं. और मैसर्स जिंदल ड्रिलिंग के साथ भी प्रतिस्पर्धी नहीं था।

2. सीमा शुल्क 32% (फरवरी 1997 में) से बढ़कर 2-6-98 से 43% किया गया सीमा शुल्क को 1-3-99 से पुनः बढ़कर 67% दिया गया है, जिससे स्वदेशी विनिर्माताओं को पर्याप्त संरक्षण उपलब्ध होगा। वर्ष 1996 से 1999 के दौरान ओआईएल द्वारा स्वदेशी विनिर्माताओं से की गई खरीद उनके कुल अपेक्षित द्व्यूबलरों का 65% से 80% के बीच बैठता है। इससे यह प्रदर्शित होता है कि म्नदेशी विनिर्माता 1998-99 तक उपलब्ध टैरिफ संबंधी बाधाओं के बावजूद विदेशी बोली लगाने वालों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के स्थिति में थे और उच्च टैरिफ (67%) के कारण स्वदेशी विनिर्माताओं को भिले आईरों में आगे और बढ़ि होने की संभावना है। शुल्क में की गई अत्यधिक बढ़ोतरी से काफी हद तक इन आवश्यक वस्तुओं की खरीद लगात में पहले ही बढ़ोतरी हो सकती है। यदि पाटनरोधी शुल्क में अब अतिरिक्त शुल्क लगाया जाता है तो इससे कच्चे तेल जो राष्ट्रीय अर्थव्यवसंधा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की लागत बढ़ जाएगी।

3. ओआईएल सामान्यतया एक्स 46, एन-80 और पी-110 ग्रेडों के सीमलैस पाइपों की खरीद करता है। उनकी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, केवल 5-1/2 साइज तक के ही पी 110 ग्रेड के पाइपों का स्वदेशी विनिर्माण किया जाता है। इसलिए 5-1/2 साइज के पाइपों में भिन्न पी-110 ग्रेड के पाइपों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना उचित नहीं होगा।

नियांतकों के विवार

1. भितमुई एंड के लिमि० : भितमुई एंड कंपनी, जापान उस संबद्ध वस्तु की एक नियांतक कंपनी है जिसकी जांच अवधि में ओएन जी सी एल को आपूर्ति की गई थी। यह प्रतिवादी केवल संबद्ध वस्तु का एक व्यापारी है और न कि उसका उत्पादनकर्ता। उन्होंने मैंबोल्सकी द्व्यूब मिल, रूस द्वारा विनिर्मित पाइपों की आपूर्ति की थी।

2. भारत में 9.5/8" ओडी केसिंग पाइपों का एक मात्र स्वदेशी विनिर्माता में कल्याणी सीमलैस ट्यूब लिं० (के एम टी एल) है। भारत में किसी अन्य विनिर्माता के पास 9.5/8" एल-80 ग्रेड के केसिंग पाइपों का विनिर्माण करने के लिए अपेक्षित सुविधाएं या क्षमता नहीं हैं। इसीलिए कल्याणी ने आज की तारीख तक ओएन जी सी की किसी भी नियिका में भाग नहीं लिया है। कल्याणी जे-55/एन-80 ग्रेडों में 9.5/8" की अन्य नियिकाओं में नियमित रूप से भाग लेता रहा है।

3. पाटनरोधी शुल्क केवल ऐसे किसी उत्पाद पर लगाया जा सकता है जिसका विनिर्माण भारत में किया गया हो। जहां तक 9-5/8" एल-80 ग्रेड के केसिंग पाइपों का संबंध है। यह शर्त पूरी नहीं होती है यदि कोई विदेशी आपूर्तिकर्ता 9-5/8-एल-80 ग्रेड के केसिंग पाइप की आपूर्ति करता है तो उसके परिणामस्वरूप किसी स्वदेशी विनिर्माता को आर्थिक या अन्य कोई घाटा या नुकसान या क्षति नहीं पहुंच सकती क्योंकि कोई भी स्वदेशी विनिर्माता 9-5/8 एल-80 ग्रेड के केसिंग पाइपों का उत्पादन नहीं करता है और न ही उसके पास उत्पादन की क्षमता है।

4. केसिंग पाइपों के कई ग्रेड हैं जिनका भारत में विनिर्माण नहीं किया जाता है। केवल उन ग्रेडों और साइजों के केसिंग तक ही जांच को सीमित न रखना अनुचित एवं हानिकारक हो सकता है जिनका मौजूदा स्वदेशी विनिर्माताओं द्वारा विनिर्माण किया जाता है या जिनके पास विनिर्माण करने की क्षमता है।

II. बोलजस्की पाइप प्लांट, रूस

1. यह प्रतिवादी एक व्यापक संयुक्त स्टाक कंपनी अर्थात् रूसी सरकार के स्वामित्व में न होकर एक सार्वजनिक कंपनी है।

2. सरकार द्वारा नियांत बिक्री पर आयकर छूट, नियिकाओं पर करों की प्रति पूर्ति छूट जैसे किसी भी रूप में प्रोत्साहन नहीं दिए जाते हैं। कच्चे माल की आपूर्ति विद्युत जल श्रमिक आदि के उपयोग पर कोई इमदाद नहीं दी जाती है।

3. बोलजस्की पाइप संयंत्र, रूस के भीतर सबसे बड़े धातु कर्मीय उद्यमों में से एक उद्यम है। इसके मूलभूत विनिर्मित उत्पाद, तेल और गैस, इंजीनियरिंग और विद्युत उद्योगों में इस्तेमाल किए जाने वाले सीमलैस और स्पाइरल वेल्डेड पाइप हैं।

4. संयंत्र की पूजीगत निधि की लागत 2 बिलियन यू.एस.डॉलर से अधिक है। इस संयंत्र में प्रतिवर्ष लगभग 20,00,000 टन पाइप तक 11,00,000 टन स्टील की कुल उत्पादन क्षमता की पांच मेल शाप सम्मिलित हैं।

5. संयंत्र रेलवे लाइन, सड़क मार्ग, समुद्री मार्ग और अन्तर्रेशी जल मार्ग के नजदीक होने के कारण सुविधा सम्पन्न है, जिसमें उत्पाद या ग्राहक के पास समय से भेज दिया जाता है।

6. संयंत्र के अन्दर गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली लागू की गयी है जिससे कंपनी अंतर्राष्ट्रीय मानकों की अपेक्षाओं के एकत्रम अंतर्राष्ट्रीय मानकों की गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली को मनक्लतापूर्वक प्रमाणित किया जाता है। जिसने ए पी आई 5 सी टी, 5 एल और 5बी मानकों के अंतर्गत केसिंग और लाइन पाइपों के उत्पादन का अधिकार दिया था।

7. 1997 से बोलजस्की पाइप संयंत्र द्वारा उत्पादित 9-5/8" के केसिंग पाइप भारत में निम्नलिखित थोक ग्राहकों द्वारा खरीदा गया है।

(क) रेमी मैटल्स गुजरात लिमि.

(ख) जिन्दल ड्रिलिंग एंड इन्डस्ट्रीज लिमि.

(ग) मितसुई एंड कंपनी लि.

8. निर्यात मूल्य ग्राहक विशेष पर निर्भर नहीं होता है अल्लिक यह देश के बाजार में ऐसे किसी मूल्य स्तर पर आधारित होता है जिसके लिए आपूर्ति विशेष की उम्मीद की जाती है। मूल्यों के निर्धारण में एक आवश्यक जरूरत इस बात की होती है कि कारखानागत निर्यात कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार की समान कारखानागत निर्यात कीमत से कम न हो।

9. जांच की अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों के लिए निम्न प्रकार हैं :—

ग्राहक	ठेका सं. एवं तारीख	विनिर्देशन	मात्रा (टन)	बोजक मूल्य (अमरीकी डालर)	प्रति मी.टन
रेमी मेटल्स	***	9-5/8" x 45, 5 पीपीएफ बीटीसी, एन-80	***	***	***
जिन्दल ड्रिलिंग	***	9-5/8" x 47 पीपीएफ पी ई, एन-80	***	***	***
मितसुई एंड कं.	***	9-5/8" x 43 पीपीएफ, 5 बीटीसी, एल-80	***	***	***
	***	9-5/8" x 47 पीपीएफ बीटीसी, एल-80	***	***	***
		वही	***	***	***
			***	***	***
रेमी मेटल्स	***	9-5/8" x 43, 5 पीपीएफ, बीटीसी, एन-80	***	***	***
	***	9-5/8" x 47 पीपीएफ बीटीसी, पी-110	***	***	***

10. बोलजस्की ने जांच अवधि के दौरान भारत को केवल 9-5/8" ओ डी के केसिंग पाइपों की आपूर्ति की थी। किसी अन्य प्रकार के पाइपों की आपूर्ति नहीं की गई थी बोलजस्की पाइप संयंत्र द्वारा संबद्ध थस्तु की कुल बिक्री निम्न प्रकार रही है :—

विवरण	जांच अवधि 1-1-97—30-9-98		
कंपनी की कुल बिक्री	मात्रा (टन)	कीमत (अमरीकी डालर)	कीमत/मी.टन
(क) भारत को निर्यात	***	***	***
(ख) घरेलू बाजार	***	***	***
(ग) अन्य देशों को निर्यात	***	***	***
कुल बिक्री	***	***	***

*कीमत को रूबल से अमरीकी डालर में 6.46 रूबल = 1 अमरीकी डालर की औसत विनिमय दर से परिवर्तित किया गया है।

III. सिलकोटब एस ए रोमानिया

1. सिलकोटब एस ए 1/8"-4" ओ डी की रेंज में कार्बन स्टील हाट रोल्ड और/या कोल्ड डान सीमलैम म्टील ट्यूबों का एक उत्पादक है जिनका तेल एवं गैस के पूर्वेक्षण और उत्पादन पावर स्टेशनों, और गैस पाइप साइनों, पानी और वितरण नेटवर्क एवं मेकेनिकल निर्माण में प्रयोग होता है।

2. सिलकोटब एक 100% निजी कंपनी है, रोलिंग मिल उत्पादन क्षमता 170000 टन प्रति वर्ष है।

3. रोलिंग लाइन का तीन चरणों में आधुनिकीकरण किया गया था, जर्मनी की मेन्स्मैन डेमाग आधुनिकीकरण के लिए नए उपकरण की मुख्य आपूर्तिकर्ता कंपनी थी। आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के फलस्वरूप उनके उत्पाद गुणवत्ता एवं मूल्य, दोनों रूपों में प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति में पहुंच गए हैं जिससे प्रतिवादी को भारत में अपने उत्पादों के लिए निर्यात बाजार के विकास में सुविधा हुई।

4. घरेलू बाजार में उत्पाद का वितरण सीधे ही बड़े अंतिम उपयोक्ताओं को या थोक विक्रेताओं के जरिए उपभोक्ताओं को किया जाता है।

5. विदेशी बाजारों में संबद्ध वस्तु की बिक्री सीधे ही अंतिम उपयोक्ताओं को या व्यापारियों को अथवा उन क्षेत्रों में सिलकोटब के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्थानीय एजेंटों के जरिए की जाती है। भारतीय बाजार में उनका कोई अनन्य एजेंट नहीं है।

6. जांच अवधि के दौरान उन्होंने भारतीय बाजार में *** टन की डिलीवरी की जो उनके कुल निर्यात का लगभग 0.56 प्रतिशत है। कम मात्रा किए गए नियात से स्थानीय ट्यूब विनिर्माता प्रभावित नहीं हो सकते। सिलकोटब ने केवल 5" से कम के बाह्य व्यास के सीमलैस स्टील पाइपों का ही निर्यात किया था।

7. भारतीय विनिर्माताओं के साथ प्रतिस्पर्धात्मक परिस्थितियों में किया गया आयात भारत में समर्थित मुक्त व्यापार के सिद्धान्त को प्रदर्शित करता है। यांचिकाक्ताओं ने ऊंची कीमतों एवं संवर्धनात्मक स्कीमों द्वारा दिए गए अन्य आर्थिक लाभों के लिए विदेशी बाजार को प्राथमिकता दी है और घरेलू बाजार की उपेक्षा की है।

8. जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए नियातों के ब्यौरे निम्न प्रकार है :—

ग्राहक	ठेका सं.	विनिर्देशन	मात्रा (टन)	बीजक मूल्य (अमरीकी डालर)	शूट	टिप्पणियां
आयल इंडिया डिब्बूगढ़	***	73.0 x 14.02	***	***	***	***एफ ओ बी आधार पर
वही	***	वही	***	***	***	*** वही
महालक्ष्मी	***	33.4 x 3.38	***	***	***	*** सी एंड एफ आधार पर भाड़ा ***टन

4. पेट्रोटब, एस ए रोमानिया

1. निजीकरण की प्रक्रिया से गुजर रही पेट्रोटब, एस ए एक संयुक्त स्टाक कंपनी है। यह सीमलैस स्टील पाइपों हाटरोल्ड और कोल्ड रोल्ड या ड्रान का विनिर्माण और बिक्री करती है। इसके स्वामित्व में 70 प्रतिशत राष्ट्र संपत्ति और 30 प्रतिशत निजी संपत्ति शामिल है।

2. इसकी कुल स्थापित क्षमता 300,000 टन प्रति वर्ष की है। पर्यवेक्षक के अधीन उत्पाद के लिए (129,000 टन; 171,000 टन, पी-110 स्ट्रक्चरल पाइपों को छोड़कर अन्य उत्पादों जैसे लाइन पाइप > 273 केसिंग इत्यादि के लिए)

3. भारत को हुए पेट्रोटब के सभी नियात व्यापारिक कंपनियों (रोमानियाई विदेशी) के माध्यम से किए गए थे। जिनका उनके द्वारा बीजक बनाया गया था।

4. नियात बिक्री पर उनकी सरकार द्वारा कोई प्रोत्साहन नहीं दिया जाता है।

5. जांचाधीन उत्पाद के निम्नलिखित ग्रेडों/विनिर्देशनों का जांच अवधि के दौरान भारत को नियात किया गया था :—

(क) ग्रेड बी-सीमलैस स्टील पाइप, ए पी आई 5 एल और/या ए एस टी एम ए-106 और/या एस टी एम ए-53 के अनुसार विनिर्मित ग्रेड बी बेवल्ड एंड के साथ ठेकानुसार लम्बाई साइज़ : ओ डी 8" (219.1 मि.मी.) और 10" (273.1 मि. मी.)

(ख) ग्रेड पी-110-सीमलैस स्टील केसिंग ए पी आई 5 सी टी के अनुसार विनिर्मित ग्रेड पी-110, बी टी सी श्रेडेड एंड कपल्ड, रेज 2 और रेज 3 साइज़ : 9.5/8" एक्स 40 एल बी एस/फुट।

6. 1-4-97 से 30-9-98 के दौरान उपरोक्त उत्पादों की कुल बिक्री निम्नवत थी।

ग्रेड बी	मात्रा (टनों में)	मूल्य (अमरीकी डालर में)	अमरीकी डालर/टन
भारत	***	***	***
घरेलू बाजार	***	***	***
अन्य देश	***	***	***

ग्रेड पी-110	मात्रा (टनों में)	मूल्य (अमरीकी डालर में)	अमरीकी डालर/टन
भारत	***	***	***
घरेलू बाजार	***	***	***
अन्य देश	—	—	—

यह बताया गया है कि पेट्रोटब की सभी विक्रियों का लगभग 95 प्रतिशत भाग अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए थी और बकाया 5 प्रतिशत स्टकिस्टों के लिए।

(घ) उठाए गए मुद्राओं की जांच

5. याचिकाकर्ता, निर्यातकों और आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए पूर्ववर्ती अनुरोधों की उस सीमा तक, जहां तक वे नियमानुसार संगत हैं और उस सीमा तक जहां तक ये मामले पर प्रभाव डालते हैं, जांच की गई है और उन पर विचार किया गया है तथा इन निष्कर्षों में उपयुक्त स्थानों पर कार्यवाही की गई है।

(ङ) जांच के अधीन उत्पाद

6. भारत में पारित किया जा रहा और मौजूदा मामले में जांच के अधीन उत्पाद कोल्ड ट्रान या कोल्ड रोल्ड से इतर संबद्ध देशों के मूल के निम्नलिखित विवरण याला सीमलैस ट्यूब लोहे के पाइप एवं हालो प्रोफाइल मिश्र धातु या गैर मिश्र धातु स्टील (डस्ट्रा लोहे को छोड़ कर) हैं।

(क) लौंग या इस्पात के सीमलैस ट्यूब जो कोल्ड रोल्ड नहीं है, जो 273 मि.मी. या 10" एन बी से अनधिक बाहरी व्यास के हाट फिनिश हैं, जिन्हें ब्याइलर पाइप या लाइन पाइप के रूप में भी जाना जाता है जिनका उपयोग हाइड्रोकार्बन उद्योग प्रसंस्करण एवं सामान्य इंजीनियरिंग उद्योग में होता है,

(ख) तेल या गैस की ड्रिलिंग में उपयोग होने वाले स्वरूप की केसिंग और ट्यूबिंग जिसका बाहरी व्यास 244.5 मि.मी. या 9.5/8" से अधिक नहीं है।

संबद्ध माल जिसे सीमलैस ट्यूब/पाइप और लाइन/ब्याइलर पाइप तथा केसिंग/ट्यूबिंग भी कहा गया है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 73 के सीमाशुल्क उपशीर्ष संख्या 73.04, 7304.10, 7304.29, और 7304.39 के अधीन वर्गीकृत हैं। तथापि वर्गीकरण के बल संकेतात्मक है और यह मौजूदा जांच के द्वारे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। उपरोक्त सीमाशुल्क कोडों के अधीन आने वाले सभी सीमलैस पाइप/ट्यूब जिन पर सीमाशुल्क की समान दर लागू होती है, इस जांच के प्रयोजनार्थ एक ही उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं।

(च) समान वस्तुएं

7. सीमलैस ट्यूबों/पाइपों का उत्पादन व विक्री विभिन्न आकारों/विनिर्देशों/ग्रेडों/मानकों में किया जाता है। तथापि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और इस जांच के अधीन देशों में विनिर्मित हाट फिनिश सीमलैस ट्यूब/पाइप के विभिन्न विनिर्देशों/ग्रेडों के उत्पादन के लिए प्रक्रिया उपस्कर या प्रौद्योगिकी के संबंध में कोई खास अन्तर नहीं है। कच्ची सामग्री फीड स्टाक विलेट्स/राडण्ड्स के रूप में होता है और मूल उत्पाद अर्थात् विनिर्माण प्रक्रिया का अंतिम परिणाम हाट फिनिश राउण्ड/प्रोफाइल होता है। दीर्घीकरण, आकार नियंत्रण और समान रूप से गर्म करने के लिए होलो को मिलों की एक शुंखला से होकर गुजरना पड़ता है। सीमलैस ट्यूबों/पाइपों को फिनिशिंग गतिविधियों के आधार पर लाइन/ब्याइलर और केसिंग/ट्यूबिंग में वर्गीकृत किया जाता है, जिनसे विशिष्ट अन्तिम उपयोग अर्थात् थ्रेडिंग, कपलिंग या बेबलिंग की पूर्ति होती है। इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा और संबद्ध देशों में विनिर्मित सीमलैस ट्यूब/पाइप अपने आवश्यक भौतिक और तकनीकी विशेषताओं में एक समान हैं।

इस बात की पुष्टि करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सीमलैस ट्यूब/पाइप संबद्ध देशों से निर्यातित ट्यूबों/पाइपों के समान वस्तुएं हैं, तकनीकी विनिर्देशन, विनिर्माण प्रक्रिया कार्यों और उपयोग तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया है। कुछ हितबद्ध पार्टियों ने इस बात पर जोर दिया है कि समान उत्पाद के अंतर्गत उत्पादों की सीन श्रेणियां हैं—अर्थात् केसिंग, ट्यूबिंग तथा लाइन पाइप और इसके अलावा प्रत्येक श्रेणी के भीतर के ट्यूबों के आकार और ग्रेड के आधार पर स्वतंत्र समान वस्तुएं हैं। तथापि यह नोट किया जाता है कि लाइन केसिंग और ट्यूबिंग में सभी मूल विनिर्माण प्रक्रिया (अर्थात् हीटिंग भेदन और दीर्घीकरण/आकार निर्धारण के अधीन होते हैं और इन पाइपों/ट्यूबों का मौलिक उपयोग तेल या गैस की दुलारी में होता है) एक मात्र भिन्नता अन्तिम रूप से तैयार करने की गतिविधि में निहित होती है जो विशिष्ट अन्तर्य उपयोग को पूरा करने के लिए उत्पाद को श्रेणीकृत करती है। सीमलैस ट्यूबों के आकार ग्रेड और पी पी एफ के आधार पर कीमतों के किए गए विश्लेषण में यह पता चलता है कि अमरीकी डालर प्र. मी. टन के आधार पर विक्री कीमतों और इन मापदंडों के बीच कोई प्रत्यक्ष सह-संबंध नहीं है। उदाहरणाश्च कीर्तनलाल स्टील एक्सपोर्ट द्वारा श्रीलास्तव ट्यूब कार्पोरेशन को दिनांक *** किए गए प्रस्ताव में यूक्रेनियन मूल की संबद्ध वस्तु के मंयंध में कीमतों में (अमरीकी डालर प्र. मी. टन) *** से लेकर *** तक की गिरावट प्रदर्शित होती है। जबकि उसके आकार पर ध्यान नहीं दिया गया है, जो कि एन बी 0.5 एक्स एम सी एच 40/80 से लेकर 8/10/12" एक्स एम सी एच 20 और उसमें अधिक बैठता है। आयातित उत्पाद तथा याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्मित उत्पाद, जो जांच का विपय वस्तु है, का एक दूसरे के स्थान पर बहुत अधिक उपयोग होता है जिसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों के बीच अधिक प्रतिस्पर्द्ध है।

इस बात के विरुद्ध कोई संकेत नहीं है कि घरेलू उद्योगों द्वारा उत्पादित विभिन्न ग्रेडों के सीमलैस पाइपों/ट्यूबों के लक्षण, आयातित सामग्री से काफी मिलते-जुलते हैं और ये संबद्ध देशों से आयात किए गए सीमलैस पाइपों/ट्यूबों के द्वारा विनिर्माणक रूप में तथा तकनीकी रूप में प्रतिस्थापित किए जाने योग्य हैं। नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सीमलैस पाइपों/ट्यूबों को संबद्ध देशों से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु के रूप में माना गया है।

छ. घरेलू उद्योग

8. यह याचिका मैं० महाराष्ट्र सीमलैस लि०, मैं० कल्याणी सीमलैस ट्यूब्स लि० तथा मैं० इंडियन सीमलैस मेटल ट्यूब्स लि० की ओर से सीमलैस ट्यूब विनिर्माता संघ द्वारा दायर की गई है। जांच की अवधि के दौरान भारतीय उद्योग द्वारा किया गया उत्पादन नीचे दर्शाया गया है :

जांच-अवधि (अप्रैल 1997-सितम्बर 1998)

उत्पादन (सभी वस्तुएँ)	एमएसएल	केएसटीएल	आईएसएमटीएन
	67304	67638	46019
रांबद्द उत्पादन	49030	33713	5327
कुल उत्पादन	180961		
संबद्ध वस्तुएँ	88070		

जांच-अवधि (अप्रैल 1997-सितम्बर 1998)

अन्य विनामीता	टिस्को	रेमी मैटल्स	ओएनईएल
कुल उत्पादन	19499	944	28666

ऊपर उल्लिखित छ: कंपनियों ने सीमलेस ट्यूबों के उत्पादन के लिए क्षमता का सृजन किया है। बीएचईएल ने प्रारम्भिक रूप से सीमित खपत के लिए क्षमता का सृजन किया है। यह नोट किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान रेमी मैटल्स तथा बीएचईएल ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का क्रमशः 7884.79 मी० टन तथा 9930 मी० टन का आयात किया है। उपरोक्त बातों पर ध्यान पूर्वक विचार करने के बाद प्राधिकारी द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि रेमी मैटल्स तथा बीएचईएल के द्वारा संबद्ध वस्तुओं के भारी आयातों के मद्देनजर उन्हें घरेलू के दायरे से बाहर रखा जाए। टिस्कों ने अपना उत्पादन बंद कर दिया है और वह वर्तमान याचिका का समर्थन नहीं है। प्राधिकारी की जानकारी में यह बात लाई गई थी कि महाराष्ट्र सीमलेस लि. सीमलेस ट्यूबों/पाइपों का एक वैध घरेलू उत्पादक नहीं है, ब्यारोक लह मै० जिन्दल डिलिंग एंड इंडस्ट्रीज लि० (जेडीआईएल) से संबंधित है, जो जांच की अवधि के दौरान नामित देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयातक तथा आपूर्तिकर्ता रहा है। अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्र में एमएसएल तथा जेडीआईएल दोनों का अलग-अलग तथा सम्मिलित रूप से “जिन्दल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज” कहा गया है। दोनों कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट यह बतलाती है कि उनके एक उभयनिष्ठ अध्यक्ष हैं और उनकी एक दूसरे की पूँजी में शेयर धारिताएँ हैं। 9.5/8” ओडी सीमलेस स्टील केसिंग पाइपों की आपूर्ति के लिए दिनांक 19-2-98 को देय टेंडर इन्विटायरि सं० एमएटी/आईएमपी/252/डी-11/98-99 के बारे में एमएसएल द्वारा ओएनजी सीएल को लिखे गए पत्र की प्रति यह दर्शाती है कि एपीआई 5 सीटीआर-111 सीमलेस केसिंग पाइप के अनुसार निविदाकृत मद्दों, अर्थात् 9.5/8” ओडी, बीटीसी, जीआरजे-55, 40 पीपीएफ, की आपूर्ति के लिए अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) द्वारा अनुमोदित विभिन्न मिलों से जिनमें मै० पेट्रोट्यूब (रोमानिया) तथा मै० विटकोबिस (चेक गणराज्य) शामिल हैं, 1,91,155 मी० टन प्लेन इंड सीमलेस पाइपों तथा कपलिंग स्टॉक (मदर पाइपों) का आयात हुआ।

याचिका में दिए गए देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात के मद्देनजर, मै० महाराष्ट्र सीमलेस लि० घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर करने का निर्णय लिया गया था। इसलिए वर्तमान जांच के उद्देश्य के लिए घरेलू उद्योग, मै० कल्याणी सीमलेस तथा मै० इंडिगन सीमलेस से यनता है, जो संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन का 66.69% उत्पादन करते हैं और इस प्रकार उनके पास नियमों के तहत याचिका दायर करने का अपेक्षित आधार है।

ज. पाटन

9. किसी वस्तु के लिए सामान्य मूल्य का धारा 9(1)(ग) के अंतर्गत अर्थ है :—

- (1) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत यने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या
- (2) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य या तो :—
 - (क) निर्यातक देश या क्षेत्र या किसी उचित तीसरे देश से आयात किये जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य या;
 - (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत यने नियमों यथा निश्चित, प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु-मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत ;—

यशर्तें कि वस्तु का आयात जब मूलतः देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो, तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण, मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा।

10. ऊपर उल्लिखित धारा के अंतर्गत प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के जात निर्यातकों को एक प्रश्नावली भेजी। तथापि, आस्ट्रिया, यूक्रेन तथा चेक गणराज्य निर्यातकों ने प्रश्नावली का जबाब नहीं दिया है। इसलिए इन निर्यातकों द्वारा सामान्य मूल्य तथा निर्यात मूल्य के संबंध में कोई दावा नहीं किया गया। इसलिए प्राधिकारी को सामान्य मूल्य तथा निर्यात मूल्य के संबंध में क्रमशः परिकल्पित मूल्य तथा याचिकाकर्ता द्वारा मुहैया कराई गई अधिकतम उपलब्ध सूचना पर निर्भर करना पड़ा।

ज. ग्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य तथा निर्यात मूल्य की जांच

(I) बोल्शकी पाईप प्लांट, रूस

यह देखा गया है कि घरेलू बिक्री के बिक्री मूल्य ढांचे के लिए कारखाना-द्वारा-स्तर के बाद के प्रत्येक शुल्क की प्रकृति एवं राशि का व्यौरा परिशिष्ट 3 खं पर दिए गए प्रारूप के अनुसार नहीं दिया गया है। लाइसेंसिंस तथा स्थापित क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री का व्यौरा भी, जैसा कि परिशिष्ट 4 के में निर्धारित है, नहीं दिया गया है। वित्तीय एवं लागत लेखा प्रणाली में प्रयोग की गई पद्धति, साभ निर्धारण तथा वित्तीय सूचना (व्यापार तथा लाभ एवं हानि लेखा की प्रतियां) बतलाई/प्रसुत नहीं की गई हैं।

(क) सामान्य मूल्य

निर्यातक द्वारा यह कहा गया है कि सभी मूल्य कारखाना द्वार के हैं। इसलिए कोई कटौतियां नहीं हैं। घरेलू बाजार में दी जाने वाली कोई शूट नहीं है और कारखाना द्वार के बाद अंतर्राज्यीय माल-भाड़ा, बीमा, भंडारण, रख-रखाव, कर इत्यादि के लिए कोई शुल्क नहीं है। कारखाना-द्वार पर दावा किया गया मूल्य *** रुबल/टन अथवा 6.46 रुबल=1 अमरीकी डालर की एक औसत विनिमय दर से *** अमरीकी डालर है। जांच की अवधि के दौरान घरेलू बाजार में बेची गई मात्रा (टनों में) *** थी।

यह कहा गया है कि उत्पाद की कारखाना द्वार पर लागत *** रुबल प्रति टन या *** अमरीकी डालर है और कर पूर्व शुद्ध लाभ *** अमरीकी डालर है। इकाई बिक्री मूल्य *** रुबल या *** अमरीकी डालर है।

तथापि, कारखाना-द्वार स्तर के बाद के शुल्क की प्रकृति एवं राशि संबंध सूचना तथा लाभ एवं हानि लेखाओं के रूप में वित्तीय सूचना के अभाव में प्राधिकारी, संबद्ध वस्तुओं की परिकलित लागत को, सत्यापन की शर्त पर मानने के लिए आध्य हैं, जो *** अमरीकी डालर/मी० टन या *** रु/मी० टन है।

(ख) निर्यात मूल्य

बोल्शकी ने कहा है कि जांच अवधि के दौरान उसने भारत को केवल 9.5/8 '' ओडी के केसिंग पाइपों की आपूर्ति की थी। किसी अन्य क्षेत्री के पाइपों की आपूर्ति नहीं की गई थी। जांच की अवधि के दौरान बोल्शकी पाईप प्लांट द्वारा भारत को किया गया कुल निर्यात *** टन था। जिसका मूल्य *** अमरीकी डालर अथवा *** अमरीकी डालर/मी० टन था। भारत को किया गया निर्यात कंपनी की कुल बिक्री का 71.4% बनता है।

भारत के निर्यातों के लिए बिक्री मूल्य संतरना में कारखाना द्वार के बाद तथा पोतलदान के पहले पैकिंग शुल्क के रूप में औसतन *** रुबल का दावा किया गया है। रेल सड़क दर के रूप में औसतन *** रुबल का, भंडारण के रूप में *** रुबल का तथा सीमाशुल्क निकासी के लिए *** रुबल का शुल्क लगाया गया है। पोतलदान के बाद के शुल्क समुद्री भाड़ा तथा अग्रेयण के कारण *** रुबल के हैं, इस प्रकार विभिन्न चरणों में लगाया गया कुल शुल्क *** रुबल होता है। औसत सूची मूल्य *** रुबल है। उपरोक्त लागतों को कटौती के बाद कारखाना द्वारा स्तर पर निर्यात मूल्य *** रुबल अथवा *** अमरीकी डालर का होता है।

यह कहा गया है कि उत्पाद की कारखाना द्वार पर लागत *** रुबल प्रति टन या *** अमरीकी डालर है और कर पूर्व शुद्ध लाभ *** रुबल अमरीकी डालर है। इकाई बिक्री मूल्य *** रुबल या *** अमरीकी डालर है।

(ग) डिप्पिंग मार्जिन

परिकलित लागत *** अमरीकी डालर/टन तथा कारखाना द्वार पर निर्यात मूल्य *** अमरीकी डालर/टन मानते हुए डिप्पिंग मार्जिन ***/टन का होता है (जो निर्यात मूल्य का लगभग 139% है)।

(II) सिल्कोटब एस०ए०, रोमानिया

जांच की अवधि के दौरान इस कंपनी ने मै० महालक्ष्मी सीमलेस लिं० को सीमाशुल्क कोड 73.04.39 के तहत श्रेणीबद्ध संबद्ध वस्तुओं का *** अमरीकी डालर मूल्य का ***टनों का और मै० ऑपल इंडिया लिं०, डिबर्सगढ़ को *** अमरीकी डालर मूल्य की 73.04.10.10 ग्रेड की संबद्ध वस्तुओं का *** टन का निर्यात किया है।

जांच की अवधि के दौरान उपर उल्लिखित संबद्ध ग्रेडों तथा अन्य ग्रेडों (वर्ष 1998 के दौरान) की कंपनी को बिक्री का व्यौरा निम्न प्रकार रहा है :—

(मात्रा-टन, मूल्य-अमरीकी डालर) पीओआई

प्रेड	भारत को निर्यात	घरेलू बाजार	तीसरे देश			
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
73.04.10.10	***	***	***	***	***	***
73.04.39	***	***	***	***	***	***
1998						
73.04.10	***	***	***	***	***	***
73.04.29	***	***	***	***	***	***

उपरोक्त सारणी यह दर्शाती है कि 73.04.10.10 ग्रेड के *** टनों की कुल बिक्री (घरेलू+निर्यात) में से भारत को किया गया निर्यात केवल 4.48% का तथा, जबकि तीसरे देशों को किया गया निर्यात 64.88% का था। इसी तरह, तीसरे देशों को किया गया 73.04.39, 73.04.10 तथा 73.04.29 ग्रेडों का निर्यात क्रमशः 78.2%, 76.4% तथा 26.15% रहा। तथापि, परिशिष्ट 4-घ के द्वारा निर्यातक ने यह कहा है कि भारत को छोड़कर अन्य देशों को किए गए निर्यात में हानि हुई है। भारत को किए गए निर्यात में लाभ होने का दावा किया गया है। लाभ एवं हानि के आकड़ों के रूप में दो गई वित्तीय सूचना को दस्तावेजी साक्ष्यों से प्रमाणित नहीं किया गया है और इसलिए प्राधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिए गए।

(क) सामान्य मूल्य

घरेलू बिक्री के लिए दो गई बिक्री मूल्य संरचना में यह कहा गया है कि कारखाना द्वार स्तर के बाद उनका कोई शुल्क नहीं है। परिणामस्वरूप पैकिंग, अन्तर्राष्ट्रीय माल-भाड़ा, बीमा, भंडारण, रख-रखाव तथा करों के लिए किसी प्रकार के प्रभार नहीं दर्शाए गए हैं। कोई बद्दा नहीं दिया गया है। ग्रेड 73.04.39 तथा 73.04.10.10 के सामने दर्शाए गए बिक्री मूल्य क्रमशः *** तथा *** अमरीकी डालर हैं। औसत मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है।

परिशिष्ट 4-ख (ख कारखाना लागत तथा घरेलू बिक्री के लाभ) में इन दोनों ग्रेडों के लिए औसत का कारखाना द्वार लागत *** अमरीकी डालर/टन है। चूंकि तीसरे देशों को किए गए निर्यात, जो बिक्री का बड़ा हिस्सा है, में नुकसान हुआ है, इसलिए घरेलू बिक्री, जो 30.62% (ग्रेड 73.04.10.10 के लिए) तथा 18.57% (ग्रेड 73.04.39 के लिए) है, में लाभ नहीं हो सका। इस परिस्थितियों में प्राधिकारी संबद्ध वस्तुओं की परिकलित लागत, जो जांच के अधीन *** अमरीकी डालर प्रति टन है, को मानने के लिए आध्य है।

(ख) निर्यात मूल्य

ग्रेड 73.04.10.10 के लिए सूची मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है। बद्दा, ***% की दर से किया गया है। कारखाना द्वार के बाद तथा पोतलदान के पहले के शुल्कों (प्रति टन) में *** अमरीकी डालर बीमा, *** अमरीकी डालर रख-रखाव, *** अमरीकी डालर सीमा शुल्क, *** अमरीकी डालर अन्य शुल्क शामिल हैं। पोतलदान के बाद किसी प्रकार के शुल्क का दावा नहीं किया गया है। कारखाना द्वार रतर पर मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है। ग्रेड 73.04.39.91 के लिए सूची मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है। बद्दा, ***% की दर से दिया गया है। कारखाना द्वार के बाद तथा पोतलदान के पहले के शुल्कों (प्रति टन) में *** अमरीकी डालर/टन की दर से केवल समुद्री माल-भाड़ा शामिल है। कारखाना द्वार पर मूल्य *** अमरीकी डालर है। इसलिए औसत कारखाना-द्वार-मूल्य *** अमरीकी डालर लिया गया है।

परिशिष्ट 4-ग के अनुसार, औसत कारखाना द्वार लागत *** अमरीकी डालर है। यह नोट किया गया है कि तीसरे देशों के लिए निर्यात मूल्य वही है जो मूल्य भारत के लिए है।

(ग) पाटन सीमा

परिकलित लागत *** अमरीकी डालर तथा औसत कारखाना-द्वार निर्यात मूल्य *** अमरीकी डालर के हिसाब से पाटन सीमा ***/टन होती है (जो निर्यात मूल्य का 49.29% है)।

(III) पेट्रोटेक्ट एस०ए० रोमानिया

(क) सामान्य मूल्य

घरेलू बिक्री के लिए दिए गए बिक्रय मूल्य छांचे में यह कहा गया है कि पेट्रोटेक्ट की सभी घरेलू बिक्री कारखाना-द्वार पर करने की शर्तों पर थी ताकि बाद में किसी प्रकार के शुल्क में कटौती नहीं की जाए। मूल्य समझौता किए गए टेकों के अनुसार थे; कोई बद्दा नहीं दिया गया था और किसी कमीशन का भुगतान नहीं किया गया। कारखाना-द्वार मूल्य नहीं बताया गया है। जांच की अवधि के दौरान ग्रेड बी की कुल घरेलू बिक्री *** थी जिसका मूल्य *** अमरीकी डालर था यह मूल्य प्रति टन *** अमरीकी डालर होता है। पी०-110 की घरेलू बिक्री की कुल मात्रा *** टन थी जिसका मूल्य *** अमरीकी डालर था यह मूल्य प्रति टन *** अमरीकी डालर होता है। इन ग्रेडों का औसत मूल्य या सामान्य मूल्य *** अमरीकी डालर/टन लिया गया है।

यह कहा गया है कि ग्रेड बी की कुल कारखाना लागत (घरेलू बिक्री की) *** अमरीकी डालर/टन है तथा शुद्ध लाभ *** अमरीकी डालर/टन है। इकाई बिक्रय मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है। पी०-110 की कारखाना लागत (घरेलू बिक्री की) *** अमरीकी डालर/टन है तथा शुद्ध लाभ *** अमरीकी डालर/टन है। इकाई बिक्री मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है।

औसत कारखाना लागत तथा इकाई बिक्रय मूल्य क्रमशः *** अमरीकी डालर/टन तथा *** अमरीकी डालर/टन है।

(ख) निर्यात मूल्य

ग्रेड बी के लिए टेका मूल्य *** अमरीकी डालर/टन बताया गया है। माल देने की शर्तें सी एंड एफ आधार पर हैं। दावाकृत शुल्कों में *** अमरीकी डालर/टन का अन्तर्राष्ट्रीय माल भाड़ा *** अमरीकी डालर/टन का भंडारण तथा रख-रखाव *** अमरीकी डालर/टन की दर से सीमा-शुल्क कमीशन, *** अमरीकी डालर/टन की दर से व्यापारी कमीशन, *** अमरीकी डालर/टन का समुद्री माल-भाड़ा शामिल हैं। कारखाना-द्वार स्तर का बद्दा हुआ मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है। पी०-110 के लिए टेका मूल्य *** अमरीकी डालर/टन बताया गया है। माल देने की शर्तें एफओबी आधार पर हैं। दावाकृत शुल्क ये हैं: *** अमरीकी डालर/टन का अन्तर्राष्ट्रीय माल भाड़ा, *** अमरीकी डालर/टन का भंडारण तथा

रख-रखाव, *** अमरीकी डालर/टन की दर से सीमाशुल्क कमीशन और व्यापारी कमीशन तथा समुद्री माल भाड़ा शून्य है। कारखाना द्वार स्तर का घटा हुआ मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है। दोनों ग्रेडों के लिए कारखाना द्वार का औसत निर्यात मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है।

ग्रेड बी की कुल कारखाना लागत (निर्यात की) *** अमरीकी डालर/टन बताई गई है और शुद्ध लाभ *** अमरीकी डालर/टन है। इकाई बिक्रय मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है। पी-110 की कारखाना लागत (निर्यात की) *** अमरीकी डालर/टन है और शुद्ध लाभ *** अमरीकी डालर/टन है। इकाई बिक्रय मूल्य *** अमरीकी डालर/टन है।

औसत कारखाना लागत तथा इकाई विक्रय मूल्य क्रमशः: *** अमरीकी डालर/टन तथा *** अमरीकी डालर/टन है।

यह देखा गया है कि भारत को किए गए निर्यात की कीमत कारखाना द्वार पर औसत इकाई बिक्री कीमत से कम है। फर्म द्वारा प्रस्तुत किए गए लाभ और हानि लेखे से यह भी दिखाई देता है कि उन्हें क्षति हुई है। उपर्युक्त को देखते हुए तथा बताई गई कारखानागत घरेलू कीमत के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु उत्पादन की परिकलित लागत अपनाए जाने का प्रस्ताव है। उत्पादन की परिकलित लागत *** अमरीकी डालर *** /मी०टन अथवा *** रु०/मी०टन है।

(ग) डंपिंग मार्जिन

सामान्य मूल्य अमरीकी डालर ***/टन औसत कारखानागत निर्यात कीमत अमरीकी डालर ***/टन मानते हुए डंपिंग मार्जिन ***/टन होता है (जो निर्यात कीमत का 41.12%) है।

असहयोगी निर्यातक

11. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थी। प्राधिकारी ने नोट किया कि आस्ट्रिया, चैक गणराज्य हंगरी उक्केल के निर्यातकों ने अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करने के लिए प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं भेजा। अतः सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में इन निर्यातकों द्वारा कोई दावे नहीं किए गए हैं। अतः प्राधिकारी ने उन्हें असहयोगी माना है और याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के अनुसार क्रमशः सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बारे में परिकलित कीमत तथा सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी पर ही निर्भर रहना भड़ा।

(IV) आस्ट्रिया

(क) सामान्य मूल्य

किसी सूचना के अभाव में, आस्ट्रिया में सम्बद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का निर्धारण परिकलित मूल्य के आधार पर किया गया क्योंकि आस्ट्रिया में बिक्री कीमतों के बारे में कोई प्रामाणिक सूचना उपलब्ध नहीं है। ऐसे घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत को, जिसके पास सीमलैम दृवृक्ष/पाईप्स के उत्पादन की सुविधाएं उपलब्ध हैं, सम्बद्ध देशों में विचाराधीन उत्पादों के उत्पादन की लागत का अच्छा संकेत माना गया है। आस्ट्रिया के मामले में परिकलित सामान्य मूल्य ***/रु० मी०टन अथवा अमरीकी डालर ***/मी०टन है।

(ख) निर्यात कीमत

आस्ट्रिया के विनिर्माता, मैसर्स बोएस्ट अल्पाइन द्वारा ओएनजीसी को दी गई कीमतों के आधार पर याचिकाकर्ता ने आस्ट्रिया के मामले में निर्यात कीमतों का निर्धारण किया है। बोएस्ट ने ओएनजीसी को आस्ट्रिया के ***शिलांग की दर के सिंग पाइन की पेशकश की थी जो *** रु० (***अमरीकी डालर/मी०टन) के बराबर है।

यह पेशकश 23-4-97 को खुले टैंडर संख्या मैट/आईएमपी/154/डी-II/97-98 के तहत की गई थी। बोएस्ट द्वारा प्रस्तुत की गई कीमत एफओबी कीमत है जिसमें स्थानीय परिवहन तथा अन्य ऐसे खर्चों के लिए समायोजन किए जाने की आवश्यकता है, जो कि आपूर्तिकर्ता को कारखानागत कीमत निकालने के लिए करने पड़े।

स्मानिया के उत्पादक द्वारा किए गए व्यवहार को संकेत के रूप में लिया गया है क्योंकि दोनों देश भौगोलिक दूरी से एक दूसरे के निकट हैं। पी-110 (स्मानिया में निर्यातक द्वारा उत्पादित) की डिलीवरी एफओबी आधार पर है। किए गए दावे इस प्रकार हैं:—अंतर्राष्ट्रीय भाड़ा *** अमरीकी डालर/मी०टन, भंडारण तथा हैंडलिंग *** अमरीकी डालर/मी०टन, सीमाशुल्क *** अमरीकी डालर/मी०टन की दर से और ट्रेडर कमीशन *** अमरीकी डालर/मी०टन से संबंधित हैं। समुद्री भाड़ा शून्य है। इन समायोजनों को ध्यान में रखने के बाद बोएस्ट के मामले में अटायी गई कारखाना द्वार पर कीमत *** अमरीकी डालर/मी०टन मानी गई है।

(ग) डंपिंग मार्जिन

सामान्य मूल्य को *** अमरीकी डालर/मी०टन तथा कारखानागत कीमत को *** अमरीकी डालर मानते हुए डंपिंग मार्जिन *** अमरीकी डालर/मी०टन निकलता है (जो निर्यात कीमत का 74%) है।

(V) चैक गणराज्य

(क) * सामान्य मूल्य

किसी सूचना के अभाव में, चैक गणराज्य में सम्बद्ध उत्पादों के सामान्य मूल्य का निर्धारण परिकलित मूल्य के आधार पर किया गया है क्योंकि इस देश में बिक्री कीमत के बारे में कोई प्रामाणिक सूचना उपलब्ध नहीं है। चैक गणराज्य के मामले में परिकलित सामान्य कीमत ***/रु० मी० टन अथवा *** अमरीकी डालर/मी० टन है।

(ख) निर्यात कीमत

चैक गणराज्य के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण चैक विनिर्माता भैसर्स नोवा हट एएस द्वारा ओएनजीसी को प्रस्तुत की गई कीमतों के आधार पर किया गया है। नोवा हट ने 9-6-98 को खोली गई निविदा सं० मैट/आईएमपी/252/डी II/97-98 के तहत ओएनजीसी को केसिंग पाइन *** अमरीकी डालर/मी० टन की दर से अथवा *** रु० की दर से दिए थे। दी गई कीमत एफओबी कीमत है, इसलिए उसमें स्थानीय परिवहन तथा ऐसे अन्य एफओबी व्यय के लिए समायोजन किए जाने की आवश्यकता है जो संभवतः निर्यातक द्वारा किए गए होंगे।

रूमानिया में उत्पादक द्वारा किए गए व्यय को संकेतन के रूप में लिया गया है क्योंकि दोनों देश भौगोलिक दृष्टि से एक दूसरे के बहुत ही निकट हैं। पी-110 (रूमानिया में निर्यातक द्वारा उत्पादित) की डिलीवरी एफओबी आधार पर है। दावा किए गए प्रभार इस प्रकार हैः—अंतर्देशीय भाड़ा *** अमरीकी डालर/मी० टन, भंडारण तथा हैंडलिंग *** अमरीकी डालर/मी० टन, सीमाशुल्क कमीशन *** 'अमरीकी डालर/मी० टन तथा व्यापारिक कमीशन' अमरीकी डालर ***/मी० टन। समुद्री भाड़ा शून्य है। इन समायोजनों को ध्यान में रखने के बाद नोवाहट के मामले में घटायी गई कारखानागत कीमत अमरीकी डालर ***/मी० टन मानी गई है।

(ग) डंपिंग मार्जिन

सामान्य मूल्य के अमरीकी डालर ***/मी० टन तथा कारखानागत निर्यात कीमत को अमरीकी डालर ***/मी० टन मानते हुए डंपिंग मार्जिन अमरीकी डालर ***/मी० टन निकलता है (जो निर्यात कीमत का 83.87%) है।

(VI) उक्तेन

(क) सामान्य मूल्य

किसी सूचना के अभाव में उक्तेन में सम्बद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का निर्धारण परिकलित कीमत के आधार पर किया गया है क्योंकि इस देश में बिक्री कीमतों के बारे में कोई प्रामाणिक सूचना उपलब्ध नहीं है। उक्तेन में परिकलित सामान्य मूल्य—रु./मी० टन अथवा अमरीकी डालर/मी० टन है।

(ख) निर्यात कीमत

उक्तेन के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण उन कीमतों के आधार पर किया गया है जिन कीमतों की पेशकश उक्तेन मूल की वस्तुओं के लिए व्यापारियों द्वारा की जा रही है। किरतन लाला स्टील एक्सपोर्ट्स द्वारा श्रीषत्स द्वयूक्त कारपोरेशन को को गई पेशकश की दिनांक *** की एक प्रति (याचिका में संलग्न) से एनबी 2-12 एससीएच-20 तथा उससे ऊंची किस्म के लिए अमरीकी डालर ***/मी० टन की उद्धत कीमत का पता चलता है। यह पेशकश कम से कम 10 मी० टन प्रति आकार तथा 100 मी० टन प्रति आर्डर की सप्लाई पर आधारित थी।

यह ऑफर भारत के एक व्यापारी द्वारा की गई थी। अतः इसमें व्यापारी का लाभ मार्जिन भी शामिल था। ये कीमतें सीएंडएफ के आधार पर थीं। अतः इसमें निर्यातक द्वारा व्यय किए गए भाड़े सहित स्थानीय परिवहन तथा अन्य खर्चों के लिए समायोजन किए जाने की आवश्यकता है।

रूमानिया में उत्पादक द्वारा किए गए व्यय को संकेतन के रूप में लिया गया है क्योंकि भौगोलिक दृष्टि से दोनों देश एक दूसरे के निकट हैं। पी-110 (रूमानिया में निर्यातक द्वारा उत्पादित) के लिए डिलीवरी एफओबी पर आधारित है। जिन प्रभारों के लिए दावा किया गया है वे इस प्रकार हैः—अंतर्देशीय भाड़ा *** अमरीकी डालर/मी० टन भंडारण तथा हैंडलिंग *** अमरीकी डालर/मी० टन, सीमाशुल्क कमीशन *** अमरीकी डालर/मी० टन की दर से तथा व्यापारी कमीशन *** अमरीकी डालर/मी० टन की दर से समुद्री भाड़ा अमरीकी डालर ***/मी० टन है (ग्रेंड बी के लिए)। इन समायोजनों को ध्यान में रखने के बाद घटाई गई कारखानागत कीमत, अमरीकी डालर ***/मी० टन है।

(ग) डंपिंग मार्जिन

परिकलित मूल्य अमरीकी डालर ***/मी० टन और कारखानागत निर्यात कीमत अमरीकी डालर *** मानते हुए डंपिंग मार्जिन अमरीकी डालर/मी० टन बैठता है (जो निर्यात कीमत का 115.25 है।)

(ज) क्षति

15. उपरोक्त नियम II, अनुबंध-II के अंतर्गत जब क्षति के बारे में निकर्ष निकाल लिया जाता है तो ऐसे निकर्ष में “—पारित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव, ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के

परिणामकारी प्रभावों समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए " घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा । मूल्यों पर पारित आयातों के पड़ने वाले प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पारित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट रही है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों में काफी हद तक कमी करना है अथवा मूल्य वृद्धि को रोकना है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हुई होती ।

• लुपरोक्त नियम-II (III) के तहत अनुबंध-II (III) में यह प्रावधान भी है कि जहां एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ ही पाटनरोधी जांच की जानी हो, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों के प्रभाव का एक साथ आकलन तभी करेगा जब यह निश्चित हो जाए कि प्रत्येक देश से हुए आयात से संबंधित डिपिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान उत्पाद के आयात का तीन प्रतिशत है अथवा जहां अलग-अलग देश का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, वहां समंक्षित आयात समान उत्पाद के आयात का सात प्रतिशत से ज्यादा बनता है और जब आयातित उत्पाद एवं समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्द्धा की परिस्थिति के आलोक में आयातों के प्रभाव का एक साथ आकलन करना उपयुक्त हो ।

प्राधिकारी ने नोट किया कि डिपिंग का मार्जिन तथा सम्बद्ध देशों से आयातों की मात्रा ऊपर निर्धारित सीमा से अधिक है ।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए उपर्युक्त नियमों के अनुलग्नक-II (IV) के अनुसार प्राधिकारी ने उन विषयों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन इत्यादि ।

(क) आयातों की मात्रा

13. भारत में लाईन/बायलर पाइप तथा केमिंग/ट्यूबिंग के बाजार को ऑईएस बाजार तथा डीलरों के बाजार में विभाजित विद्या जा सकता है । प्रमुख मूल उपकरण विनिर्माता, जो भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के लिए बाजार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, में अन्य प्रतिष्ठानों के माथ-माथ सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां शामिल हैं । जैसे ओएनजीसी, ऑयल, गेल, बीपीसीएल, एचपीसीएल इत्यादि । ये कंपनियां मुख्यतः अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से सम्बद्ध वस्तुएं खरीदती हैं । लाईन बायलर पाइप भारत में कुछ डीलरों के माध्यम से भी येचे जाते हैं क्योंकि अधिक या कम मात्रा में इनकी जरूरत लगभग सभी उद्योगों को रहती है ।

सीमलैस ट्यूबों/पाइपों के सौदे पाइपों की संख्या, लम्बाई और वजन के रूप में होते हैं । यद्यपि पाइप के भार का परिकलन मोटे तौर पर इसके बाहरी डायमीटर, इसकी मोटाई और इसकी लम्बाई जात होने पर किया जा सकता है तथापि विभिन्न आकारों का भार आकारों की वजह से बहुत अलग-अलग होता है । चूंकि सीमलैस ट्यूबों/पाइपों की निकासी के लिए कोई एक समान प्रणाली नहीं है और आयातों की निकासी की अनुमति तथा सूचना देने की अनुमति तीनों इकाइयों में से किसी एक इकाई के रूप में दी जाती है इसलिए डीजीसीआईएस और अन्य एजेंसियों द्वारा संकलित किए गए आयात आंकड़े भी आयातों और उनकी कीमतों के बारे में सही स्थिति नहीं दर्शाते हैं ।

डीजीसीआईएस आंकड़ों के अनुसार 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 (अप्रैल 97-दिस. 97) के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा क्रमशः 80,667 कि.ग्रा., 6,91,52,972 कि.ग्रा. तथा 5,01,41,415 कि.ग्रा. थी । इस प्रकार आयात 1995-96 की तुलना में 1996-97 में बढ़े और 1996-97 की तुलना में 1997-98 (आंकड़े केवल दिसम्बर 97 तक ही उपलब्ध) में 27.49% तक गिरे । आयातों में 1995-96 की तुलना में 1997-98 में वृद्धि हुई । डीजीसीआईएस आंकड़ों (अप्रैल-दिस. 97) से यह देखा जा सकता है कि जर्मनी, जापान, और मैक्सिको जैसे देशों ने भी भारत को लाईन पाइप का निर्यात किया है । जापान और यू.के. ने केमिंग तथा ट्यूबिंग का निर्यात किया है तथापि, यांचिकाकर्ता ने बताया है कि अन्य द्वारों से कोई ऐसा महत्वपूर्ण आयात होने की उन्हें जानकारी नहीं है, जो पारित कीमतों पर हुआ हो ।

यांचिकाकर्ता ने बताया है कि जांच अधिक के दौरान जांच किए गए देशों तथा अन्य द्वारों में (जैसाकि गौण स्रोतों से उपलब्ध है) सम्बद्ध वस्तुओं के आयात निम्नानुसार थे :—

देश	मात्रा (मी.टन)	कुल आयातों का % हिस्सा
यूक्रेन	3442	4.37
रोमानिया	5050	6.41
रूस	9095	11.54
आस्ट्रिया	4095	5.20
चैक गणराज्य	11271	14.30
अन्य देश	45943	58.18
कुल आयात	78796	100

सम्बद्ध देशों से तथा अन्य देशों से भी वास्तविक आयात, ऊपर दर्शाई गई मात्रा से अधिक हो सकते हैं। जांच अवधि में सीमलैस दृश्यों के कुल आयातों में सम्बद्ध देशों का हिस्सा लगभग 42% बनता है।

(ख) उत्पादन और क्षमता उपयोग

14. याचिकाकर्ता की उत्पादन क्षमता, वास्तविक उत्पादन तथा क्षमता उपयोग निम्नानुसार था :—

सारणीक वर्ष	क्षमता (मी. टन)	उत्पादन (मी. टन)	क्षमता उपयोग
1995-96	140000	5797	39.86%
1996-97	140000	50148	35.82%
1997-98	140000	67251	48.04%
1998-99 (upto Sep '98)	70000	46451	66.36%
जांच अवधि POI (Apr 97-Sep '98)	210000	113702	54.14%

मैसर्स के एसटीएन और आईएसएमटीएल की अलग-अलग क्षमता क्रमशः 90,000 मी. टन तथा 50,000 मी. टन है। सम्बद्ध वस्तुओं का उत्पादन और अलग-अलग उपयोग नीचे दर्शाया गया है :—

सारणी ख

उत्पादन (मी. टन)	के एसटीएल	आईएसएमटीएल	क्षमता उपयोग % सभी उत्पादों के लिए के एसटीएल	आईएसएमटीएल
सम्बद्ध वस्तुएं				
1995-96	96-97	97-98	98-99 (सितम्बर तक) (till Sep)	POI
20292	16301	26757	26612	53369
5700	5126	4200	2010	6210
29.52	24.51	41.25	67.91	50.14
58.46	56.17	60.25	63.57	61.36

दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों का संयुक्त क्षमता उपयोग उपर्युक्त सारणी "क" में दर्शाया गया है। क्षमता उपयोग प्रत्येक याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित सभी उत्पादों (हॉट तथा कोल्ड फिनिश दोनों) के लिए है, क्योंकि उत्पादों के इन समूहों के लिए क्षमता को अलग-अलग नहीं किया जा सकता। नियमों के अनुसार पाटिट आयातों के प्रभाव का निर्धारण समान उत्पाद के घेरेलू उत्पादन के संबंध में करना होता है जब उपलब्ध आंकड़ों से उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादक की बिक्री तथा लाभ जैसे मानदण्डों के आधार पर उस उत्पादन की अलग पहचान की जा सकती हो यदि उस उत्पादन की अलग पहचान नहीं है तो पाटिट आयातों के प्रभाव का निर्धारण समिति उत्पाद समूह अथवा उत्पाद श्रेणी के उत्पादन की जांच द्वारा किया जा सकता है, जिसमें वह समान उत्पाद भी शामिल है, जिसके लिए सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है। उत्पादन और क्षमता उपयोग में मामूली वृद्धि टिस्कों द्वारा उत्पादन स्थगित किए जाने के कारण हुई, 1997-98 में 19499 मी. टन उत्पादन किया था। घेरेलू उद्योग द्वारा भी अपनी कीमतें कम करके तथा ऊपरी खर्चों को कम करने के लिए अपने क्षमता उपयोग को बढ़ाकर अपने बाजार में वृद्धि करने के प्रयास किए गए थे।

(ग) बिक्री तथा बाजार हिस्सा

15. यह पाया गया है कि वर्ष 1995-96, 1996-97, तथा 1997-98 के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग 73076 मी. टन, 1,33,059 मी.टन तथा 1,22,233 मी. टन थी जांच अवधि के दौरान मांग 1,86,765 मी. टन थी। कुल मांग में आयातों का हिस्सा 95-96, 96-97 तथा 97-98 में क्रमशः 0.11%, 51.97% तथा 41.02% था (डी जी सी आई एस के उपलब्ध आंकड़े केवल दिसम्बर, 97 तक हैं) जांच अवधि के दौरान आयातों का हिस्सा 42.18% था।

अनेक यूनिटों में आयातों की स्थिकृति दी जाती है तथा यद्यपि डी जी सी आई एस के आंकड़े कि.ग्रा. के रूप में संबद्ध वस्तु के आयातों को दर्शाते हैं तथा पिय यह पाया गया है कि कीमतों में भारी अंतर है। अप्रैल दिसम्बर, 1997 के दौरान लाइन पाइपों की आयात कीमत में 29,541 रु./मी.टन से लेकर 1,28,730 रु./मी.टन तक का अंतर होना पाया गया है। इसी प्रकार कार्जिंग/ट्यूबिंग की कीमतें 30,928 रु./मी.टन से

2,30,599 रु./मी. टन के बीच थीं। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डी जी सी आई एस के आंकड़ों में दरायी गई आयातों की मात्रा पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता तथा संबद्ध वस्तु का वास्तविक आयात और अधिक हो सकता है। अतः आयातों का हिस्सा केवल निदेशात्मक है। वर्ष 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 के दौरान मांग में याचिकाकर्ता (के एस टी एल तथा आई एस एम टी एल) का हिस्सा 23.09%, 11.39% तथा 18.63% था। जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में याचिकाकर्ताओं का हिस्सा 20.90% बैठता है। यद्यपि घरेलू उद्योग ने बिक्रियों में बढ़ोत्तरी के माध्यम से कुल मांग में अपने हिस्से में मामूली वृद्धि की है तथापि यह नोट किया गया है कि ऐसी बिक्रियों उनकी उत्पादन लागत से कम कीमत पर हुई है। वर्ष 1995-96, 1996-97, 1997-98, 1998-99 तथा जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा की गई बिक्रियों की मात्रा (मी.टन में) क्रमशः 161874, 15164, 22775, 16265 तथा 39040 थी। के एस टी एल तथा आई एस एम टी एल द्वारा जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की रूपए प्रति मी. टन में बिक्री कीमत क्रमशः xxxx तथा xxxx थी। जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत से कम कीमत बिक्री के कारण याचिकाकर्ताओं को घाटा हुआ।

(घ) अंतिम स्टॉक

16. संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन स्टॉक रखने के प्रयोजन से नहीं किया जाता है बल्कि ये पारंपरिक रूप से तैयार किए गए उत्पाद हैं।

(ङ) कीमतों में कटौती और मूल्य ह्रास

17. याचिकाकर्ता ने बताया है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों से घरेलू उत्पादक द्वारा बेची जा रही समान वस्तु की कीमतों में कटौती हो रही है। निर्यातकों के प्रस्तुतरों/निधिदा मूल्यों से यह पता चलता है कि रूस से सीमलैस पाइपों/ट्यूबों का कीमत निर्धारण xxxx अमरीकी डालर/मी.टन (सी आई एफ) अथवा xxxx रु./मी.टन, आस्ट्रेलिया xxxx अमरीकी डालर/मी.टन अथवा xxxx रु./मी.टन; रोमानिया से xxxx अमरीकी डालर/मी.टन अथवा xxxx रु./मी.टन तथा xxxx अमरीकी डालर/मी.टन अथवा xxxx रु./मी.टन, यूक्रेन से xxxx अमरीकी डालर/मी.टन अथवा xxxx रु./मी.टन तथा चैक गणराज्य से xxxx अमरीकी डालर अथवा xxxx रु./मी.टन किया गया है। उपरोक्त कीमतें जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ताओं की इकाई उत्पादन लागत (मी.टन) से कम हैं जो के एस टी एल और आई एस एम टी एल के लिए क्रमशः xxxx रु. तथा xxxx रु. थी जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ताओं की इकाई बिक्री कीमतें/मी.टन के एस टी एल और आई एस एम टी एल द्वारा क्रमशः xxxx रु. तथा xxxx रु. थीं। घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्तियां 1996-97 में xxxx रु. मी. टन से घटकर 1997-98 में xxxx रु. मी. टन हो गयी। वर्ष 1998-99 (सितम्बर, 1998 तक) के दौरान बिक्री कीमत xxxx रु. मी. टन थी और जांच अवधि के दौरान यह xxxx रु. मी. टन थी। यह पता चलता है कि इन कीमत स्तरों से याचिकाकर्ताओं को घाटा (संबद्ध वस्तु के संबंध में) हुआ है जो कि 1996-97 में -17702 रु./मी.टन, 1997-98 में -9466/मी.टन, 1998-99 में -4707/मी.टन तथा जांच अवधि के दौरान -7140/मी.टन बैठता है। घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु के संबंध में हुआ लाभ घाटा (लाख रु. में) 1996-97 में -2885.6, 1997-98 में -2532.82, 1998-99 (सितम्बर 1998 तक) में -1252.63 और जांच अवधि के दौरान -3810.55 का हुआ। याचिका में यह उल्लेख किया गया है कि संबद्ध देशों के उत्पादकों ने इन वर्षों में निर्यात कीमतों में कमी की है। विभिन्न निधिदा और बोएस्ट और नोवा हर द्वारा भारत को किए गए प्रस्ताव निम्नानुसार थे :—

आपूर्तिकर्ता	(यू.एस डी/एमटी)	1996-97		1997-98		1998-99	
		निविदत्त	पहुंच	निविदत्त	पहुंच	निविदत्त	पहुंच
बोस्ट अलपाइन		xxx	xxx	xxx	xxx	xxx	xxx
नोवा हर		xxx	xxx	xxx	xxx	xxx	xxx

यद्यपि, याचिकाकर्ता क्षमता उपयोग और बिक्रियों की मात्रा को बढ़ाने में समर्थ रहे थे तथापि बिक्री मात्रा में वृद्धि को उन अलाभकारी कीमतों के संदर्भ में देखना होगा, जिन पर घरेलू उद्योग को अपने उत्पाद की बिक्री करने के लिए बाध्य किया गया था। यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान इन स्तरों पर याचिकाकर्ता अपनी हानि रहत कीमत प्राप्त करने में असमर्थ रहे थे। उद्योग की लागत को देखते हुए घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत अपर्याप्त थी। संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा पेश की गयी कम कीमतों से घरेलू उद्योग कम कीमतें पेश करने के लिए याध्य हुआ है ताकि आर्डरों को गबांवा न जाना सुनिश्चित हो सके। और एन जी सी और ओ आई एल जैसे क्रेताओं द्वारा दिए गए आर्डर भारी मात्रा में हैं। यह बताया गया है कि यदि कोई निर्यातक एक आर्डर गबांवा है तो उससे भारत में घरेलू उद्योग के लिए लाभग 3 महीने के उत्पादन का घाटा हो सकता है। अतः घरेलू उद्योग के पास इस बात को सुनिश्चित करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है कि किसी निर्यातक को आर्डरों का नुकसान न हो भले ही अलाभकारी कीमतों का प्रस्ताव करना पड़े। उद्योग ने इन देशों के उत्पादकों द्वारा प्रस्तावित पारित कीमतों के मद्देनजर उनके निम्नलिखित बड़े आर्डरों को गंवाया है :

(क) बोस्ट अलपाइन एम ए टी (आई एम टी/154/डी-11/97-98, दिनांक 1-9-97 ओ एन जी सी 70 करोड़ के लिए :—95/8" बी टी सी, जी 55 17 पी पी एफ।

(ख) नोवा हर एम ए टी/आई एम पी/102/डी-11/97/डी जेड बाई डी ओ 307 दिनांक 27-3-96 ओ एन जी सी 18 करोड़ के लिए 95/8" बी टी सी/जेड 55 40 पी पी एफ।

ट. क्षति संबंधी निष्कर्ष

18. उपरोक्त को देखते हुए यह पाया गया है कि :

- (क) संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा का मांग में एक बड़ा हिस्सा बनता है;
- (ख) याचिकाकर्ता को अपनी क्षतिरहित कीमतों से कम कीमतों पर बिक्री के लिए भजबूर किया गया है जिससे घाटा हुआ है;
- (ग) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।

ठ. कारणात्मक संबंध

19. संबद्ध वस्तु की मांग में कमी नहीं आयी है जिससे घरेलू उद्योग की क्षति हुई है। तथापि पाटित आयातों को देखते हुए बाजार में प्रचलित कीमतें अवास्तविक रूप से कम हैं जिससे घरेलू उद्योग की अलाभकारी कीमतों पर बिक्री के लिए भजबूर होना पड़ा है। प्राधिकारी यह अवधारित करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है जिसने पिछले तीन वर्षों के दौरान मांग में बड़ा हिस्सा प्राप्त किया है तथा घरेलू उत्पाद की कीमतों में कटौती हुई है जिससे घरेलू उद्योग को अपनी क्षतिरहित कीमतों से कम कीमत पर बेचने के लिए भजबूर होना पड़ा है। अतः संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ड. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्रदे

20. पाटनरोधी शुल्कों का सामान्यतौर पर उद्देश्य है ऐसे पाटन को समाप्त करना जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा को पुनः स्थिति लाना जो कि देश के सामान्य हित में है।

21. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लागाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्यात बाजार में उनके उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उम राशि तक ही प्रतिबंधित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को समाप्त करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय उद्योग के हास को रोका जाए और सीमलैस द्यूबों/पाइपों के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहें। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

22. घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को तय करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईप्टतम स्तर पर ईप्टतम उत्पादन लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए सीमलैस पाइपों/द्यूबों की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया था।

ढ. पहुंच मूल्य

23. आयातों की पहुंच मूल्य का निर्धारण सीमाशुल्क के मौजूदा स्तर और एक प्रतिशत उत्तराई और दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार जोड़ने के पश्चात् पाटन संबंधी पैरा में ऊपर दिए गए छ्योरे के अनुसार निर्धारित सीमलैस द्यूबों की निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है।

ण. निष्कर्ष

24. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा गया है कि :

- (क) पैरा-6 के अंतर्गत वर्णित आस्ट्रिया, चेक गणराज्य, रूस, रोमानिया और उक्रेन मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमलैस पाइपों/द्यूबों का सामान्य से कम कीमत पर भारत को निर्यात किया गया है जिसके कारण पाटन हुआ है।
- (ख) घरेलू उद्योग को क्षति हुई है;
- (ग) क्षति संबंधित देशों से हुए आयातों के कारण हुई है।

25. पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का निर्णय लिया गया था जिसे यदि लगाना जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच अधिकारी के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ भी की गई थी। तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उप-शीर्ष संख्या 73.04, 7304.10, 7304.29 और 7304.39 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित इन

निष्कर्षों के पैरा-डॉ 6 में यथा उल्लिखित सीमलैस द्व्यूबों/पाइपों के सभी ग्रेडों पर केन्द्र भरकार द्वारा इस बारे में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अंतिम पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाए।

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	राशि (रु.) मी. टन
आस्ट्रिया	बायेस्ट अल्पाइन स्टानिरोर विंडबर्ग, जीईएसएमबीएम अल्पाइन स्ट्रासे-17, ए8652 किंगबर्ग और अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	6,876
चेक गणराज्य	नोवा ओस्ट्रावा, 70702 ओस्ट्रावा कुंसिस और अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	8,375
रूस	बोल्जस्की पाइप प्लांट 404119 बोल्जस्की टाउन, बोल्जेगाड और अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	13,698
रोमानिया	(क) सिल्कोटब एम.ए. 4700 जालौं (ख) पेट्रोटब एस.ए. 5550 रोमन और अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	4,385 1,136
उक्केन	(क) मैटल जाथोद इमेनी कार्ल, लॉबेनेस्ट (ख) युज्नोट्रबनी जाथोद, नोकोपोल और अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	12,453

26. इस प्रयोजन के लिए आयातों की पहुंच मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमाशुल्क विभाग द्वारा तय किया गया निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

त. आगे की प्रक्रिया

27. प्रारंभिक निष्कर्ष अधिसूचित होने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :—

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा,

(ख) निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और संबंधित समझे जाने वाले अन्य हितबद्ध पक्षों को प्राधिकारी द्वारा अलग से पत्र भेजे जा रहे हैं जो इस अधिसूचना के प्रेषण की तारीख से 40 दिवसों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी उन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से चालीम दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।

(ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों को मौखिक अनुरोध करने का अवसर प्रदान करेंगे।

(घ) प्राधिकारी अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों को उजागर करेंगे।

रक्त विनय जा, निर्दिष्ट प्राधिकरी

MINISTRY OF COMMERCE
NOTIFICATION

New Delhi, the 10th November, 1999

Subject : Anti-Dumping investigations concerning imports of Seamless Tubes from Austria, Czech Republic, Russia, Romania and Ukraine... Preliminary Findings.

7/1/99/DGAD.—Having regard to the Customs Tariff (Amendment) Act 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury), Rules 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure given below has been followed with regard to the investigations:

- i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from the Association of Seamless Tubes Manufacturers on behalf of M/s Maharashtra Seamless Ltd., M/s Kalyani Seamless Tubes Ltd., and M/s Indian Seamless Metal Tubes Ltd. alleging dumping of seamless tubes originating in or exported from Austria, Czech republic, Russia, Romania and Ukraine.
- ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioners. The petition was thereafter considered as properly documented.
- iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate investigations against alleged dumped imports of Seamless Tubes originating in or exported from the subject countries.

- iv) The Authority notified the Embassies of the subject countries about the receipt of the allegation of dumping before proceeding to initiate investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules.
- v) The Authority issued a Public Notice dated 21st May, 1999, published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations concerning imports of Seamless Tubes classified under heading nos., 73.04, 7304.10 and 7304.29 of Chapter 73 of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from Austria, Czech Republic, Russia, Romania and Ukraine.
- vi) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioners) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vii) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known importers (whose details were made available by the petitioners) of Seamless Tubes and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- viii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Seamless Tubes.
- ix) The Authority provided copies of the Petition to the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.
- x) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in, accordance with Rule 6(4);

Austria

- Voest Alpine Stanrohr
Kindberg, GES M.B.M., Alpine
Strasse -17, A 8652, Kingberg.

Czech Republic

- Nova Hut Ostrava,
70702, Ostrava, Kuncice.

Russia

- Volzhsky Pipe Plant,
404119, Volski Town,
Volgograd.

Romania

- Silcotub s.a.,
B-dul Mihai Viteazu nr.93,
4700 Zalau.
- Petrotub S.A.Roman,
5550 Roman, Soseaua Roman-lasi km.
333, Jud Neamt.

Ukraine

- Metal Zavod Imeni Karl,
Leibnicht.
- Yuzhnotrubny Zavod,
Nikopol.

- Mitsui & Co., Ltd., TKIPE DIV., 2-1 Otemachi 1 Chome, Chiyoda-Ku, C.P.O. Box 822, Tokyo, vide their letter dated June 11, 1999 informed the Authority that as a supplier of the subject goods to ONGC/OIL India Ltd. and other government corporations engaged in the oil exploration business in India, they are an interested party in these investigations.

Responses were received from:-

Russia

- Volzhsky Pipe Plant

Romania

- Silcotub s.a.,
- Petrotub S.A.Roman,

• A letter dated 17/8/99 addressed to the Authority was received from the Trade Representation of the Russian Federation in India stating that the main Russian producers of tubes, namely, Seversky Tube Works, Volzhsky Tube Works, Chelaybinsky Tube Works and Pervouralsky Tube Works were interested parties. They were informed that the extended date for responding to the questionnaire was over. After initiation of the investigations, the Trade Representation had been requested to advise the named producers in the petition as also other manufacturers in Russia engaged in the manufacture and export of the subject goods to India to respond to the questionnaire sent by the Authority. M/s Volzhsky Pipe Plant alone responded to the questionnaire within the extended time-limit granted by the Authority.

xi) The Embassies of the subject countries were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. Copies of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.

xii) A questionnaire was sent to the following known importers of Seamless Tubes calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

- Oil and Natural Gas Corporation Ltd.,
Tel Bhavan , Dehradun-248 003.
- Oil India Ltd.
P.O. Duliajan
Dist. Dibrugarh, Assam.
- Gas Authority of India Ltd.,
16, Bhikajicama Place,
R.K.Puram, New-Delhi-110 006.
- Bharat Heavy Electricals Ltd.,
 - (a) Seamless Steel Tube Plant
Tiruchirapalli-620014.
 - (b) Ramachandra puram
 - (c) Jhansi-284 129
 - (d) Visakhapatnam
- Reliance Petroleum Ltd.,
 - (a) Motikhavdi, Jamnagar.
 - (b) Ballard Estate, Mumbai 400 001.
- National Thermal Power Corporation,
Vindyachal Super Thermal Power Project,
Dist. Sidhi, Madhya Pradesh.
- National Organic Chemical Indistries,
Mafatlal Centre, Nariman Point, Mumbai.
- Essar Steel, Surat 394 270
- Essar Oil Ltd., Mumbai 400 020
- Hindustan Petroleum Corporation Ltd.,
 - (a) Visakhapatnam
 - (b) Refinery Division, Mahul, Mumbai 400 074.

- Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd.,
Dist. Vadodara.
- Indian Oil Corporation Ltd.,
(a) P.O. Noonmati, Guwahati 781 020
(b) Gujarat Refinery, Vadodara
(c) Barauni Refinery, Begusarai
(d) Panipat Refinery Project
(e) Refineries and Pipeline Division, New-Delhi
(f) Haldia Refinery, Midnapore
(g) Digboi Refinery, Dibrugarh
(h) Mathura Refinery
- ABB ABL Ltd.,
Durgapur, West Bengal
- Asea Brown Boveri Ltd.,
Kalkaji, New-Delhi.
- Thermax Ltd., Chinchwad, Pune.
- Thermax Babcock & Wilcox Ltd.,
Kasarwadi, Pune.
- Krupp Industries (I) Ltd.,
Pimpri, Pune.
- Indian Petrochemicals Corporation,
(a) Baroda Based Project, Vadodara
(b) Gandhar Petrochemicals Complex, Bharuch.
- Indian Farmers Fertilizers Co-op
(a) DAP-NPK Project, Dist. Kachchh
(b) Kalol Unit, Dist Gandhinagar.
- Enron Oil and Natural Gas India Limited
Mumbai

- J.K. Thermal Power
Dist. Chittorgarh
- Bharat Heavy Plates & Vessels Limited
Visakhapatnam
- Larsen & Toubro Limited
GTFB Division, Mumbai
- Fact Engineering & Design Organisation
Cochin
- ATV Projects India Limited, Mathura.
- Bokaro Steel Plant, Bihar
- Bharat Earth Movers Ltd, BEML Nagar, P.O. KGF 563-115
- Cethar Vessels Limited, Tiruchirapalli
- Cochin Refineries Ltd, Ernakulam District, Kerala
- Diesel Locomotive Works, Varanasi
- Escorts Ltd, Faridabad
- Hindustan Organic Chemicals, Dist. Raigad
- Hindalco Industries Ltd, Dist. P.O. Renusagar, Sonbhadra.
- The Indian Sugar & General Engineering Co.,
Yamunanagar
- Integral Coach Factory, Chennai
- Kerala Automobile Ltd, Thiruvananthapuram
- Lakshmi Machine Works, Coimbatore
- Madras Refineries Ltd, Chennai
- Mangalore Refinery & Petrochemicals Ltd
Mangalore

Responses were received from:-

- Oil and Natural Gas Corporation Ltd..
- Oil India Ltd.
- The Indian Sugar & General Engineering Co.

M/s Indus Pipeline Company, 433, Vyapar Bhavan, 49 P D'Mello Road, Mumbai-400 009, made certain observations but did not respond to the questionnaire.

xiii) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

xiv) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner.

xv) *** In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

xvi). The Authority conducted spot verification at the premises of the petitioners.

xvii) Investigations were carried out for the period starting from 1st April, 1997 to 30th September, 1998 (18 months).

B. PETITIONERS VIEWS

2. The petitioner has raised the following major issues in their petition and in their subsequent submissions:

(a) Seamless tubes/pipes are hollow profiles of iron and steel. They are used where strength, resistance to corrosion, microstructure and product life is crucial. Line pipes are used in hydrocarbon and processing industry. Boiler pipes are put to use in boilers, heat exchangers, super heaters and condensers and in mechanical, structural and general engineering industry. Casing/tubing are used in

the extraction of crude oil and gas from the sea as well as from the earth.

(b) The technical specifications and the quality of the subject goods depend on their end-use and are defined in terms of :-

- OD (outer diameter) of the pipe/tube or PPF (pound per feet i.e. weight per unit length);
- WT or wall thickness of the pipe/tube or PPF (pound per feet i.e., weight per unit length);
- Length of the pipe/tube;
- Specification of the raw material, i.e. specific grade within alloy steel, carbon steel, stainless steel;
- Process followed while producing the tubes, i.e. HF (hot finished), CD (cold drawn) or CR (cold rolled/cold pilgered).
- End-use to which the goods are put to.

(c) Line/boiler pipes in various specifications/grades including API 5L are manufactured by KSTL & ISMT. The size range of the subject goods produced by KSTL is (hot finish) $1\frac{1}{4}$ " – 10"NB/NPS. The size range of the subject goods produced by ISMT is (hot finish) 2" – 6"NB/NPS. KSTL is the sole manufacturer of tubes of $9\frac{5}{8}$ " O.D. in the country. Casing pipes/tubing are manufactured by KSTL under API 5-CT specifications in grades H40, J-55, K55, and N-80. Grades L80, C95, T95, P110 and Q125-can be manufactured by subcontracting heat treatment operation. The size ranges manufactured are $2\frac{3}{8}$ " – $9\frac{5}{8}$ ".

(d) The raw material used for the production of the subject goods is billets/rounds in varying grades. The composition and specification of the raw material is selected on the basis of the specification of the product to be manufactured.

(e) The process of manufacture of hot finished tube is as follows:- Feed stock from the steel plant in the form of billets/rounds is cut to a pre-determined length and is heated in a furnace to a temperature

between 1150 degree centigrade to 1250 degree centigrade depending upon the steel grade. The hot billet after de-scaling is pierced with the help of Piercing Mill/Extrusion Press through its full length to form a rough shell/hollow. This is subsequently elongated and size controlled by processing through a finishing mill. The hot pipes are conveyed to a cooling bed and are straightened and cut into desired lengths for further processing, inspection, oiling, packing and shipment.

(f) The categorisation of the subject goods into three groups is dependent on the change in end finishing activities (beyond hot finished hollows) which are as follows:-

- casing and production tubing - are subsequently threaded and coupled.
- line pipes- are normally supplied as plain end or beveled ends, but occasionally these are also supplied in threaded and coupled condition as per specific customer request.

(g) The nature of threading required depends on the requirements of the customer. The domestic industry has the capability of undertaking all required types of threading, the popular threads being BTC, STC, LTC. Threading is only a small activity in the entire manufacturing process and constitutes an insignificant portion in the total cost of production. A producer can always get the threading work done by other producers as well as by independent threaders and supply the desired goods to the customers even if it does not possess the required facilities for threading. Pipes with XL threading are not currently being consumed in India.

(h) The basic manufacturing process (i.e. not finished hollows) remains the same and further processing and categorization is only to meet the specific end usage. The difference between line/boiler pipe and casing/tubing is in terms of raw material grade and end finishing

requirements only and in effect line/boiler pipes and casing/tubing are seamless tubes/pipes.

(i) The manufacture of seamless tubes pipes involve critical control on process parameters and raw material used. Producers all over the world follow international standards such as API, ASME, ASTM, DIN, BS, JIS and IS.

(j) A sensitivity analysis has been done based on sizes of seamless tubes, grades as well as PPF. This has been done taking actual prices quoted against specific tenders of ONGC/OIL. Prices have been compared for the same supplier for the same tender to eliminate the effect of any other parameter.

(i) Size-wise analysis- For the same grade and thread prices were compared for two different sizes by the same supplier on the same tender. This revealed that sometimes for bigger sizes the prices were higher, sometimes they were lower. At times the prices were more or less the same meaning thereby that there is no direct co-relationship between prices and sizes. For e.g. N80 grade of size 5 ½", 20PPF was supplied by Voest Alpine to OIL in 97-98 at USD ***(\downarrow), whereas, BTC 9 5/8", 40PPF was supplied at ***USD/MT. J55 of 5 ½", 17PPF was supplied by Nova Hut to ONGC (98-99) at USD *** \uparrow , whereas BTC 9 5/8", 40PPF was supplied at USD ***/MT.

(ii) Grade wise analysis-For the same size and thread, prices were compared for two different grades quoted by the same supplier on the same tender. This showed that prices quoted for N80 were sometimes higher as compared to J55 and sometimes lower. Examples include the supply by Nova Hut to ONGC in 97-98 of 9 5/8" size of J55 grade, 40PPF at USD***/MT \downarrow and supply of BTC N80 grade, 43.5 PPF at USD ***/MT. Another instance is the supply of 5 ½" size, J55 grade, 17PPF at USD***/MT \uparrow by Voest Alpine to ONGC in 97-98 whereas BTC N80 grade of PPF20 was supplied at USD ***/MT.

(iii) PPF wise analysis- It was observed in most of the cases, that for the same size and grade the prices quoted on the same tender by the same supplier were more or less identical irrespective of PPF. For e.g., 9 5/8" size N80 grade of PPF43.5 was supplied by Nova Hut to ONGC in 97-98 at USD ***/MT↑ whereas BTC N80 grade of 47PPF was supplied at USD ***/MT↓. 5/8"N80 grade of 43.5 PPF was supplied by Mitsui to ONGC (97-98) at USD ***↑ while BTC 47PPF N80 grade was supplied at USD ***/MT↓.

If the prices are compared per meter basis then they would vary on size (dia. as well as W.T. as well as PPF) but when these are converted on USD/MT basis, they have no significant variation as explained above.

(k) The exporters from the subject countries are dumping in a big way through the tenders floated by ONGC and OIL as well as by other end users. The exporters in these countries have now become equally aggressive in the dealers/distributors market also.

C. VIEWS OF IMPORTERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

3. Importers views

I. The Indian Sugar & General Engg. Corpn.

1. The petitioner has covered two different products viz., (a) Casing and tubing that are used in the extraction of oil and gas from the sea as well as from the earth (hereinafter referred to as “drilling” pipes/tubes; and (b) Seamless tubes used in the manufacture of boilers, heat exchangers etc. (hereinafter referred to as “non-drilling” pipes/tubes).

2. The petitioner has taken considerable pain to explain that the technical specifications depend on the end-use to which the subject goods are put to. The end-use of “drilling” pipes/tubes is vastly different from that of “non-drilling” pipes/tubes. The pipes/tubes used for drilling of oil/gas from the sea/earth cannot be used in the

manufacture of boilers/heat exchangers etc. and vice versa. Since the end-use is different, technical specifications are also different. Therefore both these products are distinct products and cannot be clubbed as like products.

II M/s Oil and Natural Gas Corporation Ltd (ONGCL)

a) Like Article

1. The initiation notice would appear to club all pipes of external diameter upto 10" of all grades and for various end uses like boiler, line casing and tubing as a single like article. There are a number of different products involved with clear lines of distinction between them.

- (i) Companies engaged in oil exploration for drilling oil wells use **drill pipes**. Such drill pipes are exclusively used for drilling purposes and cannot be interchanged with casing pipes or production tubing.
- (ii) As the drilling of the oil well progresses it is necessary to prevent the collapse of mud, etc, into the well. The **casing pipes** are used to prevent such collapse. The casing tube, which goes deep down into the earth to the bottom of the well has to be to a different specification than a casing tube used at or near the top of the well. IS 1956 defines casing tubes as tubes used for lining bore holes to prevent caving in of the surrounding strata and the undesired entry of water.
- (iii) Once the well becomes operational it is necessary to draw out the oil or natural gas emanating from the well. **Production or oil well tubing**, according to IS 1956, are tubes used for conveying oil from the bottom of the well to the delivery line. This production tube has to satisfy a different specification than the casing tube. Casing and production tubes are used by those engaged in the exploration of oil or natural gas.

(iv) The oil or natural gas produced by a well is transported over a pipeline. As **line pipes** are laid terrestrially and are not for use within a well, they have a different and less stringent specification than casing tubes or production tubes. As per IS 1956, line pipes are used for the conveyance of oil or natural gas, excluding the pipes in the well. Line pipes are used by refining and marketing companies like IOC, HPCL, BPCL etc. who have their own pipeline for transportation of the various petroleum products.

2. Thus there are three categories of products, i.e., casing , tubing and line pipes. Further, within each category there are independent like articles based on the size and grade of the tubes. To illustrate, casing pipes are procured by ONGCL in the following four sizes:-

- (i) 7" OD
- (ii) 9 5/8" OD
- (iii) 5" OD
- (iv) 5 1/2" OD

For each of the above sizes, the grade of the pipe can be J-55, N-80, L-80, P-110, C-95 or Q-125. These pipes are procured to API specification, only from those manufacturers holding API Certificate. In addition to the size of the diameter, the weight (based on wall thickness of the tubes) also differs and the price is higher for higher weight pipes. Further, the thread of the pipe can either be BTC (buttressed thread) or XL (extra large).

3. The price of the tubes is dependent on the size, weight as also the grade. For example, a pipe 9 5/8' for a particular grade (say J-55) is priced higher than a pipe 7" of the same grade. Further, even for a pipe of 9 5/8", the price is different if the grade is J-55 or P-110 or 43.5PPF or 47 PPF.

4. The usage of the pipes of different grades is also different and is not normally interchangeable. A casing pipe of J-55 cannot be used in a place where a pipe of grade P-110 is required. Thus diameter, weight,

grade, thread and the type of pipe (casing, line, production) make a unique combination which is a “like article”.

5. Line pipes, casing pipes and production tubes are therefore three independent products and cannot be combined and treated as one product for the purpose of determination of dumping margin or for determining the material injury to the domestic industry.

6. There is no mention of “drill pipe” being within the scope of the investigation. This is correctly so as there is no indigenous manufacturer of drill pipes in India. None of the three petitioner companies or the supporter of the petition have the capability to manufacture drill pipes. Further drill pipes are separate goods classified under 7304.21 of the Customs Tariff which heading is also not indicated in the initiation notice. M/s Oil Country Tubulars Ltd. (OCTL), Hyderabad, is the only Indian processor who imports unprocessed drill pipes from Argentina and Italy through their principals, M/s Grant Pridaco, USA. They supply the drill pipes after performing processing operations on the imported unprocessed tubes.

7. Casing pipes with thread XL are not within the manufacturing capability of any of the above Indian producers and hence should be excluded from the scope of the investigation.

(b) Domestic Industry

1. ONGCL has in place an indigenous development programme under which Indian manufacturers are given development orders (even without participating in a tender) in order to assess their capability to produce and supply items of particular specifications. Once the development orders are successfully executed, these firms are empanelled, free of cost, for supply against regular annual tenders. The empanelling process is open throughout the year to manufacturers, threaders, processors and authorised supply houses.

2. Indian Seamless Metal Tubes Ltd., is not an empanelled firm for supply of casing tubes. ISMT had neither supplied nor even participated in any tender for supply of casing pipes, any time in the past. They do not have the capability to produce and supply the said pipes.

3. MSL have no capability to produce casing pipes of 9 5/8" of any grade. In fact for 9 5/8" pipe, MSL itself had quoted for imported pipes.

4. Kalyani Seamless Tubes Ltd., (KSTL) is the only domestic producer of casing tubes who can sustain the petition. KSTL has no capability to produce casing pipes of grade XL. Further, they have the capability to produce only two grades, namely, J-55 and N-80 and hence all other grades (viz., L-80, P-110, C-98 and Q-125) cannot cause material injury to them.

5. Indian manufacturers have been supported by ONGC and developed consciously by it through placement of development orders under its Indigenous Development Programme. Despite annual increase in customs duty (which is at ONGC cost) Indian manufacturers have largely been getting orders for items that they make. Indian companies till the period of investigation were not manufacturing grades P and L.

6. Customs duty has been hiked from 37.5% to 67.0864% (for evaluation). Rather than seeking anti-dumping duty over and above such a high customs duty (thus hiking costs for ONGC) Indian industry should strengthen its competitiveness and should compete for the export markets.

III Oil India Limited

1. M/s Remi Metals supplied some tubulars to OIL as a supply house and not as a manufacturer. M/s Tisco was not competitive even to

indigenous manufacturers like M/s Maharashtra Seamless Ltd. and M/s Jindal Drilling.

2. Customs duty has been increased from 32% (in February 1997) to 43% (from 2/6/98). Customs duty has been further enhanced to 67% from 1/3/99, which should provide sufficient protection to the indigenous manufacturers. Procurement by OIL from indigenous manufacturers has been in the range of 65% to 80% of their total requirement of tubulars during 1996 to 1999. This shows that indigenous manufacturers were in a position to compete with the foreign bidders even with the tariff barrier available upto 1998-99 and with higher tariff (67%) it is likely that the orders placed on indigenous manufacturers will further increase. The steep rise in duty has already increased the cost of procurement of these essential items to a great extent. If additional duty in the form of anti-dumping is now levied, it will add to the cost of material input for production of crude oil, which plays a vital role in the national economy.

3. OIL generally procure seamless pipes of X-46, N-80 and P-110 grades. To the best of their knowledge, P-110 grade pipes are indigenously manufactured only upto 5 ½" size. Therefore imposition of anti-dumping duty on P-110 grade pipes other than of 5 ½" size will not be relevant.

4. Exporters Views

I Mitsui & Co. Ltd.

1. Mitsui & Co., Japan, is an exporter of the subject goods that had been supplied to ONGCL during the period of investigation. This respondent is only a trader of the subject goods and is not a producer thereof. They had supplied the pipes manufactured by M/s Volski Tube Mill, Russia.

2. In India, the only indigenous manufacturer of 9. 5/8" OD casing pipes is M/s Kalyani Seamless Tubes Ltd. (KSTL). No other manufacturer in India has the requisite facilities or the capability to

manufacture 9.5/8" L-80 grade casing pipes. That is why, Kalyani has not participated in any of the tenders of ONGC till date. Kalyani has been participating in other tenders of 9.5/8" in grades J-55/N-80 on regular basis.

3. Anti-Dumping duty can be imposed only on a product, which is manufactured in India. As far as 9.5/8" L-80 grade casing pipes are concerned this condition is not fulfilled. If any foreign supplier supplies 9.5/8" L-80 grade casing pipe, it cannot and does not result in monetary or any other loss, harm or damage to any indigenous manufacturer since no indigenous manufacturer produces or is capable of producing 9.5/8" L-80 grade casing pipes.

4. There are several grades of casing pipes, which are not manufactured in India. It can be unfair and damaging not to restrict the investigation to only those grades and sizes of casing pipes which are manufactured or are capable of being manufactured by the existing indigenous manufacturers.

II Volzhsky Pipe Plant, Russia.

1. This respondent is an open joint stock company, that is, a public company not owned by the Government of Russia.

2. There are no incentives provided by the Government on export sales in any form such as income tax concessions/exemptions, reimbursement/exemption of taxes on inputs. There are no subsidies for supplies of raw materials, utilities like power, water, labour etc.

3. Volzhsky Pipe Plant is one of the largest metallurgical enterprises within Russia. Its basic manufactured products are seamless and spiral welded pipes applied in the oil and gas, engineering and power industries.

4. The cost of the capital fund of the plant exceeds USD 2 bln. The Plant comprises five man shops of total production capacity about 2,000,000 tn of pipes and 1,100,000 tn of steel per year.

5. The plant is conveniently located near railway lines, road ways, sea-routes and inland waterways which allow timely delivery of the product to the customer.

6. The Quality Assurance System implemented within the Plant enables the company to manufacture products strictly in accordance with international standards requirements. In 1993 the Plant Quality Assurance System was successfully certified by the American Petroleum Institute, which granted the right to produce casing and line pipes under API 5CT, 5L and 5B standards.

7. Since 1997 casing pipe of 9 5/8" produced by Volzhsky Pipe Plant have been purchased by the following wholesale customers in India;

- (a) Remi Metals Gujarat Ltd.,
- (b) Jindal Drilling & Industries Ltd.,
- (c) Mitsui & Co., Ltd.

8. The export price does not depend upon a specific customer but is based on a price level in the country market for which a specific delivery is expected. A stringent requirement in the process of pricing is that the ex-works export price is to be not less than the same ex-works price of an internal market.

9. Details of exports made to India during the period of investigation are as follows:-

Customer	Contract No. & date	Specification	Qty (tons)	Invoice Value (USD)	Pr/Mt (USD)
Remi Metals	***	9 5/8" x 43, 5PPF, BTC, N-80	***	***	***
Jindal Drilling	***	9 5/8" x 47PPF, PE, N-80	***	***	***

Mitsui & Co. ***	9 5/8" x 43,5 PPF, BTC, L-80	***	***	***
	9 5/8" x 47 PPF, BTC, L-80	***	***	***
	-do-	***	***	***
		***	***	***
Remi Metals ***	9 5/8" x 43,5 PPF, BTC, N-80	***	***	***
	9 5/8" x 47 PPF, BTC, P-110	***	***	***

10. Volzshky had supplied only casing pipes of 9.5/8"OD to India during the period of investigation. No other category of pipes was supplied. The total sales of the subject goods by Volzskhy Pipe Plant have been as under:-

Particulars **POI 1/4/97 – 30/9/98**

	Qty(ton)	Value(USD)	Price/MT
(a) Exports to India	***	***	***
(b) Domestic market	***	***	***
(c) Exports to third countries	***	***	***
Total sales	***		

*The price from roubles to USD has been converted at an average exchange rate of 6.46 rbl=1USD.

III Silcotub s.a.-Romania

1. Silcotub s.a. is a producer of carbon steel hot rolled and/or cold drawn seamless steel tubes, in the range of 1/8" – 4"OD having application in oil and gas exploration and production, power stations, oil and gas pipe lines, water and distribution networks and mechanical constructions.
2. Silcotub is a 100% private company. The rolling mill production capacity is 170000 tons/year.

3. The rolling line was modernized in three stages, the main supplier of the new equipment for modernization being Mannesmann Demag of Germany. As a result of the modernization process, these products have reached competitive goals both in terms of quality and prices, which allowed the respondent to develop the export market for their products in India.

4. The distribution of the products in the domestic market is directly to large end users or through wholesalers to consumers.

5. In the foreign markets, the subject goods are sold directly to end-users or traders, or through local agents representing Silcotub interests in those areas. In the Indian market, they have no exclusive agent.

6. During the POI, they have delivered *** tons in the Indian market that is about 0.56% of their total export. The small quantity exported could not have affected local tube manufacturers. Silcotub had exported seamless steel pipes of OD under 5", only.

7. Imports made under competitive circumstances with Indian manufacturers is demonstrative of the free trade principle supported in India. Petitioners have preferred the external market for higher prices and other fiscal benefits offered by promotional schemes and neglected the domestic market.

8. Details of exports to India during the POI, is as follows:-

<u>Customer</u>	<u>Contract No.</u>	<u>Specification</u>	<u>Qty</u> (Tons)	<u>Invoice value</u> (USD)	<u>Rebate</u>	<u>Remarks</u>
Oil India Ltd Dibrugarh	***	73.0x14.02	***	***	***	fob basis
do-	***	-do-	***	***	***	-do-
Mahalaxmi	***	33.4x3.38	***	***	***	c&f basis Freight ***/ton

IV Petrotub, S.A., Romania

1. Petrotub S.A. is stated to be a joint stock company in the process of privatization. It is engaged in the manufacture and sale of seamless steel pipes, hot rolled and cold rolled or drawn. Ownership is 70% state property and 30% private property.
2. The total installed capacity is 300,000tons per year (129,000 tons for the product under supervision; 171,000 tons for other products viz., line pipes>273, casing except P-110 structural pipes etc.)
3. All Petrotub exports to India were made through trading companies (Romanian or foreign) to whom they had invoiced.
4. No incentives are given by their Government on export sales.
5. The following grades/specifications of the product under investigation were exported to India during the period of investigation:-
 - (a) GRADE B-seamless steel pipes, manufactured in accordance with API 5L and/or ASTM A-106 and/or ASTM A-53, Grade B, with beveled ends, in length as per contract. Sizes: OD8"(219.1mm) and 10" (273.1mm).
 - (b) GRADE P-110-seamless steel casing, manufactured in accordance with API 5CT, Grade P-110, BTC threaded and coupled, Range 2 and Range 3. Sizes:9.5/8"x 40 lbs/ft.
6. Total sales of the above mentioned products during 1/4/97 to 30/9/98 were as given below:-

Grade B	Qty (tons)	Value (USD)	USD/ton
India	***	***	***
Domestic Market	***	***	***
Other Countries	***	***	***
Grade P-110	Qty(tons)	Value(USD)	USD/ton
India	***	***	***
Domestic Market	***	***	***
Other Countries	-	-	-

It is stated that approximately 95% of all Petrotub domestic sales were oriented to end-users, and the balance 5% to stockists.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED

5. The foregoing submissions made by the petitioner, exporters and importers and other interested parties, to the extent these are relevant as per Rules and to the extent these have a bearing upon the case have been examined and considered and have been dealt with at appropriate places in these findings.

E. PRODUCT UNDER INVESTIGATION

6. The product being dumped in India and subject to investigation in the present case is seamless tubes, pipes and hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron), other than cold drawn or cold rolled originating from the subject countries of the following description:

- (a) Seamless tubes, of iron or steel, not cold rolled, hot finished, of an external diameter not exceeding 273mm or 10"NB also known as boiler pipes or line pipes used in hydrocarbon industry, processing and general engineering industry;
- (b) Casing and tubing of a kind used in drilling of oil or gas of an external diameter not exceeding 244.5mm or 9.5/8".

The subject goods described as seamless tubes/pipes as also line/boiler pipes and casing /tubing are classified under customs sub-heading numbers 73.04, 7304.10, 7304.29 and 7304.39 of Chapter 73 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations. All seamless pipes/tubes falling under the above-mentioned customs codes attracting the same basic rate of customs duty, are classified as one product for the purpose of these investigations.

F.LIKE ARTICLES

7. Seamless tubes/pipes are produced and sold in different sizes/specifications/grades/standards. There is however no significant difference in terms of process, equipment or technology for the production of different specifications/grades of (hot finished) seamless tubes/pipes that are manufactured by the domestic industry and in the countries subject to this investigation. The raw material/feed stock is in the form of billets/rounds and the basic product that is the end-result of the manufacturing process is a hot-finished round/profile. For elongation, size control and uniform heating the hollow is made to pass through a series of mills. Seamless tubes/pipes are classified into line/boiler, and casing /tubing depending on the finishing activities that cater to specific end-usage viz., threading, coupling, or beveling. Therefore, seamless tubes/pipes manufactured by the domestic industry and in the subject countries are alike in their essential physical and technical characteristics.

In order to establish that seamless tubes/pipes produced by the domestic industry is a like article to that exported from the subject countries, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered. Some interested parties have stressed that there are three categories of products, i.e., casing , tubing and line pipes under the generic product and further, within each category there are independent like articles based on the size and grade of the tubes. However, it is noted that line, casing and tubing are all subject to the basic manufacturing process (i.e., heating, piercing and elongation/sizing) and the basic application of these pipes/tubes consists in the conveyance of oil or gas. The only difference lies in the end-finishing activity that categorizes the product to meet specific end-usage. An analysis of prices based on sizes , grades and PPF of seamless tubes shows that there is no direct co-relationship between selling prices and these parameters on USD/MT basis. To illustrate, the copy of the offer from Kirtanlal Steel Export dated ***to Sreevatsa Tube Corporation shows a reduction in prices

(USD/MT) from *** to *** on the subject goods of Ukrainian origin irrespective of sizes which ranged from NB 0.5" x SCH40/80 to 8/10/12" x SCH 20 and up.

There is a high degree of interchangeability and consequently of competition between the imported product and that manufactured by the petitioners being the subject matter of this investigation.

There is no argument disputing that seamless pipes/tubes produced by the domestic industry in various grades has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by seamless pipes/tubes imported from the subject countries both commercially and technically. Seamless pipes/tubes produced by the domestic industry has been treated as like article to the product exported from the subject countries within the meaning of Rule 2(d).

G.DOMESTIC INDUSTRY

8. The petition has been filed by the Association of Seamless Tubes Manufacturers on behalf of M/s Maharashtra Seamless Ltd., M/s Kalyani Seamless Tubes Ltd., and M/s Indian Seamless Metal Tubes Ltd. Production by the Indian industry during the period of investigation is shown below:-

	<u>POI(April '97-September'98)</u>		
Production(all goods)	MSL 67304	KSTL 67638	ISMTL 46019
Subject Goods	49030	33713	5327
Total production	180961		
Subject Goods	88070		
	<u>POI(April '97-September'98)</u>		
Other Manufacturers			
Total production	Tisco 19499	Remi Metals 944	BHEL 28666

The above mentioned six companies have created capacity for production of seamless tubes. BHEL has created capacity primarily for captive consumption. It is noted that Remi Metals and BHEL have imported 7884.79MT and 9930MT respectively of the subject goods from the subject countries during the period of investigation. After careful consideration of the above, it was decided by the Authority to exclude Remi Metals and BHEL from the scope of domestic industry in view of the substantial imports made by them of the subject goods. Tisco has suspended production and is not a supporter of the present petition. It was brought to the notice of the Authority, that Maharashtra Seamless Ltd. is not an eligible domestic producer of seamless tubes/pipes as they are related to M/s Jindal Drilling and Industries Ltd.(JDIL) an importer and supplier of the subject goods from the named countries, during the period of investigation. In the certificate issued by the American Petroleum Institute, MSL and JDIL have both been referred to individually and collectively as "Jindal Group of Industries". The Annual Report of the two companies shows that they have a common Chairman and have cross holding of shares in each other. The copy of reference by MSL to ONGCL regarding Tender Enquiry No. MAT/IMP/252/D-II/98-99 due on 19/2/98 for supply of 9.5/8"OD Seamless Steel Casing Pipes, shows import of 1,91,155 mts. of plain end seamless pipes and coupling stock (mother pipes) from various API approved mills including those of M/s Petrotub (Romania) and M/s Vitkovice (Czech Republic) for supply of tendered items viz., 9.5/8"OD, BTC, Gr J-55, 40PPF as per API 5CT R-III Seamless Casing Pipes.

In view of the import of the subject goods from the named countries in the petition, it was decided to exclude M/s Maharashtra Seamless Ltd., from the scope of domestic industry. The domestic industry for the purpose of the present investigation is therefore constituted of M/s Kalyani Seamless and M/s Indian Seamless who account for 66.69% of the total domestic production of the subject goods and thereby have the required standing to file the petition under the Rules.

H.DUMPING

9. Under Section 9A(1), normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative, selling and general costs and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

10. The Authority sent a questionnaire to the known exporters from the subject countries in terms of the section cited above. However, the exporters from Austria, Ukraine and the Czech Republic did not respond to the questionnaire. Therefore there are no claims made by these exporters with regard to normal value and export price. The Authority has therefore been constrained to rely upon constructed price and best

available information with regard to normal value and export price respectively, as provided by the petitioner.

I. EXAMINATION OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE BY THE AUTHORITY

(I) Volzhsky Pipe Plant, Russia.

It is seen that the details of the nature and amount of each charge beyond ex-factory level has not been provided in accordance with the format on Appendix 3B for sales price structure for domestic sales. Details on licensed and installed capacity, production and sales as set out on Appendix 4A have also not been provided. Methods used in the financial and cost accounting system, profit determination and financial information (copies of trading and profit and loss accounts) have not been stated/submitted.

(a) Normal Value

It is stated by the exporter that all prices are at ex-factory. Hence there are no deductions. There are no discounts that are offered on the domestic market and there are no charges after ex-factory on account of inland freight, insurance, storage, handling, taxes etc. The ex-factory price in Rbl/ton claimed is *** or USD *** at an average exchange rate of 6.46Rbl=1USD. The quantity sold in the domestic market (in tons) was *** during the period of investigation.

It is submitted that the ex-factory cost of the product is *** rbl per ton or USD *** and the net profit before tax is *** rbl or USD ***. The unit selling price is *** rbl or USD ***.

However, in view of the absence of information on nature and amount of charge beyond ex-factory level and financial information in the form of profit and loss accounts, the Authority is constrained to adopt the constructed cost of the subject goods which is USD ***/MT or Rs ***/MT, subject to verification.

(b) Export Price

Volzshky has stated that they had supplied only casing pipes of 9.5/8"OD to India during the period of investigation. No other category of pipes was supplied. The total exports to India by Volzskhy Pipe Plant during the period of investigation was *** tons valued at USD *** or USD ***/MT. Exports to India constitute 71.4% of total sales of the company.

In the sales price structure for exports to India, an average of Rbl *** has been claimed as packing charges after ex-factory and before FOB. An average of ***Rbl has been charged as rail road rate, ***rbl as storage and ***rbl on account of customs clearance. Charges after fob are on account of overseas freight and forwarding are at ***rbl thus bringing the total charges at different stages to *** rbl. The average list price is ***rbl. After deducting the costs above, the export price at ex-factory level comes to *** rbl or USD***.

It is submitted that the ex-factory cost of the product is *** rbl per ton or USD *** and the net profit before tax is *** rbl or USD***. The unit selling price is *** rbl or USD***.

(c) Dumping Margin

Taking the constructed cost at USD ***/ton and the ex-factory export price at USD ***/ton the dumping margin comes to ***/ton (which is about 139% of export price).

(ii) Silecotub S.A., Romania

This company has exported ***tons of the subject goods categorized under 73.04.39 of the customs code valued at USD *** to M/s Mahalaxmi Seamless Ltd, and ***tons of grade 73.04.10.10 of the subject goods valued at USD *** to M/s Oil India Ltd., Dibrugarh, during the period of investigation.

Details of the company's sales of the subject grades mentioned above during POI and other grades (during 1998) have been as follows:-

Grade	Exports to India		Domestic Market		Third Countries	
	Qty	Value	Qty	Value	Qty	Value
73.04.10.10	***	***	***	***	***	***
73.04.39	***	***	***	***	***	***
1998						
73.04.10	***	***	***	***	***	***
73.04.29	***	***	***	***	***	***

The table above shows that out of the total sales (domestic + export) of *** tons of grade 73.04.10.10, exports to India accounted for only 4.48% whereas exports to third countries accounted for 64.88%. Likewise, exports for grades 73.04.39, 73.04.10 and 73.04.29 exports to third countries accounted for 78.2%, 76.4% and 26.15% respectively. However, the exporter has stated vide Appendix 4-D that exports to countries other than India have been at a loss. Exports to India are claimed to have been at a profit. The financial information in the form of Profit & Loss figures is not substantiated with documentary evidence and is hence rejected by the Authority.

(a) Normal Value

In the sales price structure for domestic sales, it is stated that they have no charge beyond ex-factory level. Consequently no charges have been shown on account of packing, inland freight, insurance, storage, handling and taxes. No discounts were offered. The sale prices showed against 73.04.39 and 73.04.10.10 are USD *** and ***, respectively. The average price is USD ***/ton.

In Appendix 4-B (Factory cost and profit of domestic sales), the average ex-factory cost for the two grades is USD ***/ton. Since the exports to third countries which account for the bulk of sales are at a

loss, domestic sales that account for 30.62% (for grade 73.04.10.10) and 18.57% (for grade 73.04.39) could not be at a profit. In the circumstances, the Authority is constrained to adopt the constructed cost of the subject goods which is USD ***/ton subject to verification.

(b) Export Price

The list price for grade 73.04.10.10 is USD ***/ton. Discount has been given @ ***%. Charges (per ton) after ex-factory and before FOB include insurance ***USD, handling ***USD, customs duties ***USD, others ***USD.. No charges have been claimed after FOB. The price at ex-factory level is USD ***/ton.

The list price for grade 73.04.39.91 is USD ***/ton. Discount has been offered @ ***%. Charges (per ton) after ex-factory and before FOB include only overseas freight @USD ***/ton. The ex-factory price is USD ***. The average ex-factory export price therefore is taken to be USD ***.

The average ex-factory cost as per Appendix 4-C is ***USD. It is noted that export prices to third countries are the same as the prices to India.

(c) Dumping Margin

Given the constructed cost at USD ***/ton and the average ex-factory export price at USD ***, the dumping margin comes to ***/ton (which is 49.29% of export price).

(III) Petrotub, S.A. Romania

(a) Normal Value

In the sales price structure for domestic sales, it is stated that all Petrotub domestic sales were on ex-factory delivery terms so that no other charges were deducted afterwards. Prices were according to negotiated contracts; no discounts were granted and no commission was paid. The ex-factory price is not stated. The total domestic sales of Grade B during the period investigated was *** at a value of

USD ***. The price per ton comes to USD ***. The total quantum of domestic sales of P-110 was ***tons at a value of USD ***. The price per ton comes to USD ***. The average price or normal value of the grades is taken to be USD ***/ton.

The total factory cost (of domestic sales) of Grade B is stated to be USD ***/ton and net profit is ***USD/ton. The unit selling price is *** USD/ton. The factory cost (of domestic sales) of P-110 is *** USD/ton and net profit is *** USD/ton. The unit selling price is USD ***/ton.

The average factory cost and unit selling prices are ***USD/ton and ***USD/ton, respectively.

(b) Export Price

The contract price for Grade B is stated to be USD ***/ton. Delivery term is on C&F. Charges claimed are on account of inland freight ***USD/ton, storage and handling ***USD/ton, custom commission @***USD/ton and trader commission @***USD/ton, Overseas freight is USD***/ton. The deducted ex-works level price is USD ***/ton.

The contract price for P-110 is stated to be USD ***/ton. Delivery term is on FOB. Charges claimed are on account of inland freight ***USD/ton, storage and handling ***USD/ton, custom commission @***USD/ton and trader commission and overseas freight are nil. The deducted ex-works level price is USD***/ton. The average ex-works export price for the two grades is ***USD/ton.

The total factory cost (of exports) of Grade B is stated to be USD ***/ton and net profit is ***USD/ton. The unit selling price is ***USD/ton. The factory cost (of exports) of P-110 is ***USD/ton and net profit is ***USD/ton. The unit selling price is USD ***/ton.

The average factory cost and unit selling prices are ***USD/ton and ***USD/ton, respectively.

It is seen that the export price to India is less than the average ex-works unit selling price. It is also seen from the Profit and Loss Account submitted by the firm that they have incurred losses. In view of the above and in the absence of a stated ex-factory domestic price the constructed cost of production is proposed to be adopted for determination of normal value, subject to verification. The constructed cost of production is USD ***/Mt or Rs ***/MT.

(c) Dumping Margin

Given the normal value at USD ***/ton and the average ex-factory export price at USD ***/ton, the dumping margin comes to ***/ton (which is 41.12% of export price).

Non-cooperative Exporters

11. The Authority sent a questionnaire to the known exporters from the subject countries. The Authority notes however, that the exporters from Austria, Czech Republic and Ukraine have not responded to the questionnaire to furnish the relevant information. Therefore there are no claims made by these exporters with regard to normal value and export price. The Authority has therefore treated them as uncooperative and has been constrained to rely upon constructed price and best available information with regard to normal value and export price respectively, as provided by the petitioner.

(IV) Austria

(a) Normal Value

In the absence of any information, the normal value of the subject goods in Austria has been determined on the basis of constructed value as there is no authentic information available with regard to the selling prices in Austria. The cost of production of domestic industry, which has state of the art facilities for production of seamless tubes/pipes, has been taken to be a good indicator of the cost of production of the goods under

consideration in the subject countries. The constructed normal value in the case of Austria is Rs ***/Mt or USD ***/Mt.

(b) Export Price

The petitioner on the basis of the prices offered by the Austrian manufacturer, M/s Voest Alpine to ONGC has determined the export price in the case of Austria. Voest offered casing pipe to ONGC @ Austrian shilling *** which is equivalent to Rs *** (USD ***/Mt) under Tender No. MAT/IMP/154/D-II/97-98 opened on 23/4/97. The price offered by Voest is FOB price which would require adjustments on account of local transportation as well as other expenses which the supplier would have incurred to arrive at the ex-factory price.

The expenses incurred by the producer in Romania is taken as an indication as both countries are located in close geographical proximity to one another. The delivery term for P-110 (produced by the exporter in Romania) is on FOB. Charges claimed are on account of inland freight ***USD/ton, storage and handling ***USD/ton, custom commission @***USD/ton and trader commission @***USD/ton. Overseas freight is nil. Taking these adjustments into consideration, the deducted ex-works level price in the case of Voest is taken to be USD ***/mt.

(c) Dumping Margin

Taking the normal value at USD ***/Mt and the ex-factory export price at USD***, the dumping margin comes to ***USD/Mt (which is 74% of export price).

(V) Czech Republic

(a) Normal Value

In the absence of any information, the normal value of the subject goods in the Czech Republic has been determined on the basis of constructed value as there is no authentic information available with

regard to the selling prices in this country. The constructed normal value in the case of the Czech Republic is Rs ***/Mt or USD ***/Mt.

(b) Export Price

The export price in the case of the Czech Republic has been determined based on the prices offered by the Czech manufacturer M/s Nova Hut A S, to ONGC. Nova Hut offered casing pipe to ONGC @ USD ***/Mt or Rs *** under Tender No. MAT/IMP/252/D-II/97-98 opened on 9/6/98. The price offered is FOB price and therefore requires adjustment for local transportation and other FOB expenses possibly incurred by the exporter.

The expenses incurred by the producer in Romania are taken as an indication as both countries are located in close geographical proximity to one another. The delivery term for P-110 (produced by the exporter in Romania) is on FOB. Charges claimed are on account of inland freight ***USD/ton, storage and handling ***USD/ton, custom commission @ ***USD/ton and trader commission @ ***USD/ton. Overseas freight is nil. Taking these adjustments into consideration, the deducted ex-works level price in the case of Nova Hut is taken to be USD ***/mt.

(c) Dumping Margin

Taking the normal value at USD ***/Mt and the ex-factory export price at USD***, the dumping margin comes to ***USD/Mt (which is 83.78% of export price).

(VI) Ukraine

(a) Normal Value

In the absence of any information, the normal value of the subject goods in Ukraine has been determined on the basis of constructed value as there is no authentic information available with regard to the selling prices in this country. The constructed normal value in Ukraine is Rs ***/Mt or USD ***/Mt.

(b) Export Price

The export price in the case of Ukraine has been determined on the basis of the prices at which offers are being made by traders for goods of Ukraine origin. A copy of the offer made by Kirtanlal Steel Exports to Sreevatsa Tube Corporation (enclosed in the petition) dated *** shows a quoted price of USD ***/Mt for NB2"-12" SCH 20 and up. This was based on the supply of minimum 10Mt per size and 100Mt per order. This offer was made by a trader in India and therefore included the profit margin of the trader. The prices were on C&F basis and therefore requires adjustment for local transportation and other expenses including freight incurred by the exporter.

The expenses incurred by the producer in Romania are taken as an indication as both countries are located in close geographical proximity to one another. The delivery term for P-110 (produced by the exporter in Romania) is on FOB. Charges claimed are on account of inland freight ***USD/ton, storage and handling ***USD/ton, custom commission @ *** USD/ton and trader commission @ ***USD/ton. Overseas freight is USD***/ton (for Grade B). Taking these adjustments into consideration, the deducted ex-works price is USD ***/Mt.

(c) Dumping Margin

Taking the constructed value at USD ***/Mt and the ex-factory export price at USD***, the dumping margin comes to ***USD/Mt (which is 115.25% of export price).

J. INJURY

12. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such article..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped

imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Annexure II(iii) under Rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as a percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three per cent, the imports cumulatively account for more than seven per cent of the imports of the like article, and cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject countries are more than the limits prescribed above.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

(a) Quantum of Imports

13. The market of line/boiler pipes and casing/tubing in India can be divided into the OEM market and dealers' market. The prominent original equipment manufacturers who are an important segment of the

market for the subject goods in India include the public sector oil companies such as ONGC, OIL, GAIL, BPCL, HPCL, etc. amongst others. These companies purchase the subject goods mainly through the process of international competitive bidding. Line/boiler pipes are also sold through a number of dealers in India as they are required by almost all industries in large or small quantities.

Transactions of seamless tubes/pipes are in terms of numbers, length and weight of pipes. While the weight of the pipe can be precisely calculated once the outer diameter, wall thickness and length are known, the weight of different sizes vary significantly with change in the size. Since there is no uniform system for clearance of goods by the customs and imports are allowed to be cleared and reported in terms of any of the three units, the import statistics compiled by DGCIS and other agencies also do not indicate an accurate position with regard to volumes of imports and their prices.

As per DGCIS data, the quantum of imports of the subject goods during 1995-96, 1996-97 and 1997-98 (April'97-Dec'97) were 80,667 Kg, 6,91,52,972 Kg and 5,01,41,415Kg, respectively. Thus imports increased in 1996-97 over 1995-96 and declined by 27.49% in 1997-98 (data available only till December'97) over 1996-97. Imports increased in 1997-98 over 1995-96. It is seen from DGCIS data (Apr-Dec'97), that countries such as Germany, Japan and Mexico have also exported line pipes to India. Japan and U.K have exported casing and tubing. However, the petitioners have stated that there is no known and significant import from other sources which is known to be at dumped price.

The petitioner has stated that the imports of the subject goods from the countries investigated and from other sources (as available from secondary sources) during the period of investigation was as follows:-

Country	Vol(MT)	%share of total imports
Ukraine	3442	4.37

Romania	5050	6.41
Russia	9095	11.54
Austria	4095	5.2
Czech Republic	11271	14.3
Other countries	45843	58.18
Total imports	78796	100

The actual imports from the subject countries as well as other countries could be higher than the volumes shown above. The subject countries account for approximately 42% of the total imports of seamless tubes in the period of investigation.

(b) Production and Capacity Utilisation

14. The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioner was as follows: -

Table A

Year	Capacity (MT)	Production (MT)	Capacity Utilisation
1995-96	140000	55797	39.86%
1996-97	140000	50148	35.82%
1997-98	140000	67251	48.04%
1998-99 (upto Sep'98)	70000	46451	66.36%
POI (Apr 97-Sep98)	210000	113702	54.14%

The individual capacities of M/s KSTL, and ISMTL are 90000MT, and 50000 Mt respectively. The production of the subject goods and individual capacity utilisation is shown below:-

Table B
Production (in MT)
Subject goods

	1995-96	96-97	97-98	98-99(till Sep)	POI
KSTL	20292	16301	26757	26612	53369
ISMEL	5700	5126	4200	2010	6210
Cap utilisation% (for all products)					
KSTL	29.52	24.51	41.25	67.91	50.14
ISMEL	58.46	56.17	60.25	63.57	61.36

The combined capacity utilization of both petitioner companies is as shown in Table A above. Capacity utilization is for all products (both hot and cold finished) manufactured by each of the petitioner companies, as capacity for these groups of products cannot be segregated. Under the Rules, the effect of the dumped imports shall be assessed in relation to the domestic production of the like article when available data permit the separate identification of that production on the basis of such criteria as the production process, producers sales and profits. If such separate identification of that production is not possible, the effects of the dumped imports shall be assessed by the examination of the production of the narrowest group or range of products, which includes the like product, for which the information can be provided. The marginal increase in the production and capacity utilisation was on account of suspension of production by Tisco, which had produced 19,499 MT in 1997-98. Efforts were also made by the domestic industry to increase their market by lowering prices and optimizing their capacity utilization to reduce the incidence of overhead expenses.

(c) Sales and Market Share

15. It is observed that the demand for the subject goods during 1995-96, 1996-97 and 1997-98 was 73076 MT, 1,33,059 MT, and 1,22,233 MT. During the POI, demand was 1,86,765 MT. The share of imports in total demand was 0.11%, 51.97% and 41.02% in 95-96, 96-97 and 97-98 respectively, (DGCIS data available only till December'97). The share of imports during the POI was 42.18%.

Imports are cleared in a number of units and although DGCIS data indicates imports of the subject goods in terms of kg, it is seen that there is enormous variation in prices. During April-December 1997, import prices of line pipes are noted to have varied from Rs 29,541/Mt to Rs 1,28,730/Mt. Similarly, prices of casing/tubing ranged from Rs 30,928/Mt to Rs 2,30,599/Mt. In view of the aforesaid, the Authority notes that import volumes as indicated in DGCIS data cannot be fully relied upon and actual imports of the subject goods may have been higher. The share of imports is therefore indicative only. The share of the petitioners (KSTL and ISMTL) in demand in 1995-96, 96-97 and 97-98 was 23.09%, 11.39%, and 18.63%. During the POI, the petitioners accounted for 20.90% of the demand for the subject goods. Although domestic industry has marginally increased its share in total demand by way of increase in sales, it is noted that such sales have been at prices below their cost of production. The quantum of sales (in MT) made by the petitioners during 95-96, 96-97, 97-98, 98-99 and the POI was 16874, 15164, 22775, 16265 and 39040, respectively. The selling prices of the subject goods in the POI in Rs per Mt were *** and *** by KSTL and ISMTL respectively. The sale of the subject goods below cost of production during the period of investigation resulted in losses to the petitioners.

(d) Closing Stocks

16. The subject goods are not produced for purposes of stocking but are custom made products.

(e) Price undercutting and price depression

17. The petitioner has stated that imports from the subject countries have been undercutting the prices of the like article being sold by the domestic producer. It is seen from the exporters responses/tender values, that seamless pipes/tubes were priced at (cif) USD ***/Mt or Rs ***/Mt from Russia; USD***/Mt or Rs ***/Mt from Austria; USD ***/Mt or Rs ***/Mt and ***USD/Mt or Rs***/Mt from Romania; USD ***or Rs ***/Mt from Ukraine and USD ***or Rs ***/Mt from the Czech Republic. The above referred prices are below the unit (MT) cost of production of the petitioners during the period of investigation which was Rs *** and Rs *** for KSTL and ISMTL respectively. The petitioners unit selling prices/MT during the POI were Rs. *** and Rs *** by KSTL and ISMTL, respectively. Sales realization of the domestic industry declined to Rs ***/Mt in 1997-98 from Rs ***/Mt in 1996-97. During 1998-99 (till September'98) the selling price was Rs ***/Mt and in the POI, it was Rs ***/Mt. It is seen that at these price levels, the petitioners incurred losses (for the subject goods) amounting to Rs -17702/Mt in 1996-97, -9466/Mt in 97-98, -4707/Mt in 98-99 and -7140/Mt in the POI. The profit/loss (in lacs) incurred by the domestic industry for the subject goods was -2885.6 in 96-97, -2532.82 in 97-98, -1252.63 in 98-99(till September'98) and -3810.55 in the period of investigation. It is stated in the petition that the producers in the subject countries have reduced the export prices over the years. Offers made by Voest and Nova Hut to India in various tenders were as given below:-

Supplier	(USD/MT)	96-97		97-98		98-99	
		Quoted	Landed	Quoted	Landed	Quoted	Landed
Voest Alpine		***	***	***	***	***	***
Nova Hut		***	***	***	***	***	***

Although the petitioners were able to increase capacity utilization and volume of sales the increase of sales volume has to be seen in the context of unremunerative prices at which the domestic industry was forced to sell its produce. It is seen that at these price levels during the period of investigation, the petitioners were unable to recover its non-injurious price. The selling price of the domestic industry was inadequate considering the cost of the industry. Lower prices offered by the producers in the subject countries have forced the domestic industry to quote lower prices in order to ensure that orders are not lost. Orders placed by purchasers like ONGC and OIL are large in volume. It is stated that the loss of a single order to an exporter may imply loss of as much as three months production for the domestic industry in India. The domestic industry has therefore no other option but to ensure that the orders are not lost to any exporter, even at the cost of offering unremunerative prices. The industry has lost the following major orders to the producers in these countries in view of dumped prices offered by them:-

- (a) Voest Alpine MAT/IMP/154/D-II/97-98 dt 1/9/97 (ONGC) for 70 crores.- 9 5/8" BTC, J55 17 PPF
- (b) Nova Hut Mat/IMP/102/D-II/96-97/DZYDBO307 dt 27/3/96 (ONGC) for Rs. 18 crores. – 9 5/8" BTC, J55, 40PPF

K. CONCLUSION ON INJURY

18. In view of the foregoing it is observed that:-

- (a) the quantum of imports from the subject countries account for a sizeable share of demand;
- (b) the petitioner has been forced to sell at prices below its non-injurious price resulting in losses;
- (c) imports are undercutting the prices of the domestic industry.

L. CAUSAL LINK

19. The demand for the subject goods has not declined causing injury to the domestic industry. On the other hand demand has shown increase. However, prices prevailing in the market in view of dumped imports are unrealistically low forcing the domestic industry to sell at unremunerative prices. The Authority holds that the material injury to the domestic industry has been caused by imports from the subject countries that have acquired considerable share in demand during the last three years and have undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell below its non-injurious price. The material injury to the domestic industry was therefore caused by the dumped imports from the subject countries.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

20. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

21. It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of seamless tubes/pipes. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers.

22. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of seamless pipes/tubes in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

N. LANDED VALUE

23. The landed value of imports is determined on the basis of export price of seamless tubes/pipes determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one per cent landing and two per cent handling charges.

O. CONCLUSIONS

24. It is seen after considering the foregoing that:

- (a) seamless pipes/tubes described under para 6 originating in or exported from Austria, Czech Republic, Russia, Romania and Ukraine have been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered injury;
- (c) injury has been caused by imports from the subject countries.

25. It was decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. The landed price of imports was also compared with the non-injurious price of the domestic industry, determined for the period of investigations. Accordingly, it is proposed that provisional anti-dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all grades of seamless tubes/pipes as described under Para E, 6 of these findings originating in or exported from the subject countries falling under customs sub-heading nos. 73.04, 7304.10, 7304.29 and 7304.39 of the Customs Tariff Act, pending final determination.

Country 1.	Name of the Producer/Exporter 2.	Amount 3. (Rs)/MT
Austria	Voest Alpine Stanirohr Kindberg, GES M.B.M., Alpine Strasse -17, A 8652, Kingberg. & all other producers/exporters	6,876
Czech Republic	Nova Hut Ostrava, 70702, Ostrava, Kuncice, & all other producers/exporters	8,375
Russia	Volzsky Pipe Plant, 404119, Volski Town, Volgograd, & all other producers/exporters	13,698
Romania	(a) Silcotub S.A, 4700 Zalau (b) Petrotub S.A, 5550 Roman & all other producers/exporters	4,385 1,136
Ukraine	(a) Metal Zavod Imeni Karl, Leibnicht (b) Yuzhnotrubny Zavod, Nokopol & all other producers/exporters	12,453

26. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

P. FURTHER PROCEDURE

27. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days of the despatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions.
- d. The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority